केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 207 शनिवार 17 फरवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

कांग्रेस के फ्रीज खातों से रोक हटी

नई दिल्ली (आभा)। कांग्रेस के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजय माकन ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आरोप लगाया। इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल ने शुक्रवार को दोपहर 12.30 बजे कांग्रेस के फ्रीज खातों पर लगी रोक हटा दी है। एक घंटे पहले कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि पार्टी के बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया। कांग्रेस के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजय माकन ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि इनकम टैक्स ने यूथ कांग्रेस और कांग्रेस पार्टी से 210 करोड़ रुपए की रिकवरी मांगी है। माकन ने कहा कि हमें गुरुवार को जानकारी मिली कि बैंकों ने पार्टी के द्वारा जारी किए गए चेक रोक दिए हैं। वे हमारे चेक क्लियर नहीं कर रहे। कांग्रेस पार्टी के खाते भी फ्रीज कर दिए गए हैं। इसके अलावा क्राउड फंडिंग वाले अकाउंट को भी फ्रीज कर दिया गया है। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने कहा– अभी हमारे पास बिजली का बिल भरने के लिए और अपने कर्मचारियों को वेतन देने के लिए पैसे नहीं हैं। अकाउंट फ्रीज होने के कारण न केवल भारत जोड़ो न्याय यात्रा, बल्कि पार्टी की सभी राजनीतिक गतिविधियां प्रभावित होंगी। यह लोकतंत्र को फ्रीज करने जैसा है।

टाइम बम से मची खलबली, आतंकवाद से तो नहीं जुड़े तार, जावेद जल्द उगलेगा सच

मेरठा (आभा)। एसटीएफ मेरठ यूनिट ने मुजफ्फरनगर के खालापार में चार जिंदा बोतल टाइम बमध्आईईडी के साथ जावेद नामक युवक को गिरफ्तार किया है। उससे पूछताछ के लिए कई खुफिया एजेंसी, आईबी, एटीएस और एसटीएफ टीम लगी हैं। खालापार मिमलाना रोड लालीला टीला निवासी जावेद को एसटीएफ ने संदिग्ध गतिविधियों के चलते निगरानी पर रखा था। वह 4 बोतल टाइम बमध आईईडी की सप्लाई करने के लिए इमराना नामक महिला के संपर्क में था। इमराना मूल रूप से शामली की रहने वाली है और वर्तमान में मुजफ्फरनगर के खालापार में रह रही है।

जावेद से जिस तरह टाइम बम/आईईडी बरामद किए गए हैं, उससे साफ है कि वेस्ट यूपी को दहलाने की साजिश थी। इमराना की गिरफ्तारी के बाद बाकी बातों से पर्दा उठेगा। टीम को इमराना की तलाश है। जावेद की गिरफ्तारी और टाइम बमध्आईईडी की बरामदगी के बाद सुरक्षा एजेंसियों से लेकर खुफिया एजेंसियां सक्रिय हो गईं। वेस्ट यूपी में अलर्ट जारी कर दिया गया है।

आटो पार्ट्स की दुकान से वैन उड़ा ले गया चोर

संवाददाता–बस्ती। कोतवाली थानाक्षेत्र के द्विजेश मार्ग पर गुरुवार की रात अज्ञात चोरों ने वैन उड़ा दी। चोरी की घटना आटो पार्ट्स कारोबारी के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जानकारी के मुताबिक गुरुवार की रात तकरीबन साढ़े दस बजे चोर ने ऑटो पार्ट्स की दुकान पर खड़ी वैन को लेकर भाग गया। दुकान के सामने कार नहीं होने पर दुकानदार ने तुरंत डायल 112 पर कॉल किया और पुलिस को घटना की जानकारी दी।

पुरानी बस्ती थानाक्षेत्र के मरवटिया निवासी राजकुमार गुप्ता कोतवाली क्षेत्र के द्विजेश मार्ग पर आटो पार्ट्स की दुकान चलाते हैं। रात में दुकान बंदकर वह अपने घर पहुंचे यहां पर अपनी मोबाइल के सीसीटीवी एप में देखा कि उनके दुकान के सामने खड़ी मारुति वैन वहां से गायब है। इसके बाद वह रात में ही अपनी दुकान पर पहुंचे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाला तो देखा कि मफलर से चेहरा ढके हुए एक व्यक्ति तेजी से आया और उनकी वैन का दरवाजा खोला और चाभी लगाई कार लेकर चंपत हो गया। इस घटना के संबंध में उन्होंने कोतवाली में अज्ञात के खिलाफ तहरीर दे दी है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर मिले वीडियो फुटेज के आधार घटना की छानबीन शुरु कर दी गई है।

यूपी में छह महीने के लिए हड़ताल पर रोक

संवाददाता–लखनऊ। दूसरे प्रदेशों में हो रहे किसान आंदोलन को देखते हुए योगी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सीएम योगी ने हड़ताल और प्रदर्शन करने को लेकर यूपी में एस्मा एक्ट लागू कर दिया है। इस एक्ट के तहत छह महीने तक हड़ताल और प्रदर्शन पर पूरी तरह से रोक रहेगी। कार्मिक विभाग ने योगी सरकार का ये आदेश जारी कर दिया है।

ये आदेश यूपी सरकार के अधीन आने वाले सभी सरकारी विभागों और प्राधिकरण भी लागू रहेगा। हड़ताल और प्रदर्शन को लेकर जारी आदेश में कहा गया है कि रोक के बाद भी अगर किसी ने हड़ताल करने की कोशिश की तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यूपी सरकार की ओर से जारी नोटिफिकेश में कहा गया है कि कर्मचारी हड़ताल या प्रदर्शन करते मिले तो उन्हें एस्मा एक्ट उल्लंघन के आरोप में बिना वारंट के ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बतादें कि यूपी सरकार समय–समय पर हड़ताल और प्रदर्शन को लेकर इस तरह के आदेश जारी करती रहती है।

योगी सरकार ने पिछले साल जुलाई में बिजली कर्मचारियों की हड़ताल को देखते हुए हड़ताल और प्रदर्शन पर रोक लगा दी थी। शासन की ओर से जारी आदेश में कहा गया था कि उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन सहित सभी बिजली कंपनियों में उत्तर प्रदेश आवश्यक सेवाओं का अनुरक्षण अधिनियम 1966 (एस्मा) के अधीन मिली शक्तियों का प्रयोग करते हुए छह माह की अवधि के लिए हड़ताल प्रतिबंधित कर दिया है। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा महेश कुमार गुप्ता की तरफ से एस्मा लगाए जाने का आदेश भी जारी हुआ था। अधिसूचना के साथ ही पांच जुलाई से एस्मा को प्रभावी कर दिया गया था।

यूपी सरकार उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन, राज्य विद्युत उत्पादन निगम, उत्तर प्रदेश दल विद्युत निगम, पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन, केस्को कानपुर, मध्यांचल विद्युत वितरण निगम, पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम, दक्षिणांचल विद्युत वितरम निगम तथा पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम में छह महीने के लिए हड़ताल पर जाने वाले कर्मचारियों के खिलाफ एस्मा के तहत कार्रवाई का अभी आदेश दिया था।

सुन्नी बस्ती सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड मुतवल्ली बने मोहम्मद शुजा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड ने बस्ती के लिये 8 सदस्यीय समिति का गठन किया है। इसमें वक्फ संख्या 16 से 19 के मोहम्मद शुजा अध्यक्ष, मो. मसूद अहमद उपाध्यक्ष, अबरारूल हक सचिव, मो. आसिफ कोषाध्यक्ष, मलिक एजाज अहमद उप कोषाध्यक्ष, जवीउल्ला खान, अशरफ अली और अरशद जमाल को सदस्य बनाया गया है।

सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड के विधि अधिकारी अब्दुल मोबीन खां के हवाले से जारी कार्यालय ज्ञाप की जानकारी देते हुये मोहम्मद शुजा ने बताया कि अध्यक्ष के रूप में उन्हें जो दायित्व सौंपा गया है उसका पूरी निष्ठा से पालन कराते हुये वक्फ बोर्ड के सम्पत्तियों का संरक्षण, जामा मस्जिद, ईदगाह, कब्रिस्तान आदि का समुचित विकास कराया जायेगा। मोहम्मद शुजा को सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड 16 से 19 का मुतव्वली बनाये जाने पर अनेक लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

कुदरहा में 129 कार्यकर्ताओ ने अन्य दल छोड थामा भाजपा का दामन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा, (बस्ती)। कुदरहा कस्बे मे स्थापित शिक्षा शक्ति मैरेज हाल में महादेवा विधानसभा मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमे 129 लोगो ने भाजपा का दामन थामा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सांसद हरीश द्विवेदी, ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि बालकृष्ण त्रिपाठी, राजेंद्र गौड़ ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर मलयार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार सर्व समाज की सरकार है। बिना किसी भेदभाव के हर व्यक्ति को योजनाओं का लाभ मिलता है। पूर्व की अन्य सरकारे योजनाओ का लाभ जाति के आधार पर लोगों को लाभ देती थी।

ब्लाक प्रमुख कुदरहा अनिल दुबे ने सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहां कि भाजपा मे ही कार्यकर्ताओ को सम्मान मिलता है। सदस्यता लेने वाले सभी का अभिनंदन किए।

कार्यक्रम मे नगर पंचायत अध्यक्ष सुनील कुमार, पूर्व राज्य मंत्री राजेंद्र गौंड, विनोद शुक्ला, बालकृष्ण त्रिपाठी पिंटू, रघुनाथ सिंह, दुर्गेश अग्रहरी, विवेकानंद शुक्ला, मनोज पासवान, रसीद अहमद ने भी लोगों को संबोधित किया

साहित्यकार की भूमिका कभी समाप्त नहीं होती–डॉ. अमिता दुबे

-दुर्गेश कुमार मिश्र की स्मृति में सम्मानित हुईं विभूतियां: 6 छात्रों को मिला प्रोत्साहन राशि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । दुर्गेश कुमार मिश्र सामाजिक एवं साहित्यिक संस्थान द्वारा साहित्यिक संगोष्ठी, राष्ट्रीय कवि सम्मेलन और सारस्वत सम्मान समारोह का आयोजन प्रेस क्लब सभागार में वरिष्ठ कवि डा. राम नरेश सिंह 'मंजुल' की अध्यक्षता और डा. रामकृष्ण लाल जगमग के संयोजन एवं संचालन में किया गया। इस अवसर पर संस्थाध्यक्ष डॉ. त्रिभुवन प्रसाद मिश्र द्वारा इंजीनियर दीपक कुमार मिश्र के सौजन्य से 48 पुस्तकों की प्रणेता प्रसिद्ध साहित्यकार और उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ की प्रधान सम्पादक डॉ. अमिता दुबे को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह, सम्मान पत्र, श्रीफल एवं 11 हजार रूपये का पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में 6 चयनित मेधावी छात्र–छात्राओं को दुर्गेश कुमार मिश्र की स्मृति में दो–दो हजार रूपये का पुरस्कार और प्रमाण–पत्र, स्मृति चिन्ह देकर उत्साहवर्धन किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ. अमिता दुबे ने कहा कि आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, डा. लक्ष्मीनारायण की धरती पर उन्हें जो सम्मान मिला उससे अभिभूत हूं। कहा कि एक साहित्यकार की भूमिका कभी समाप्त नहीं होती। वह जीवन की जीजिविषा में भविष्य का मार्ग प्रशस्त करता है। समाज निर्माण और वैचारिक चेतना, मानवीय संवेदना को बचाये बनाये रखने में साहित्यकारों की सदैव अग्रणी भूमिका रही है। युगीन रचनाकार इस दिशा में निरन्तर गतिमान हैं और अपने समय के सत्य को शब्द दे रहे हैं। डॉ. अमिता दुबे ने बचपन पर केन्द्रित कविता सुनाकर भाव विभोर किया।

दिल्ली से पधारे वरिष्ठ साहित्यकार डा. राधेश्याम बंधु ने कहा कि साहित्यकार को सम्मान नवीन ऊर्जा देते है, इससे उसे समाज के प्रति और बेहतर करने का उल्लास बढता है। कहा कि दुर्गेश कुमार मिश्र स्मृति सम्मान की परम्परा निश्चित रूप से एक बड़ी उपलब्धि है। उनकी रचना ' आदमी कुछ भी नहीं फिर भी वतन की शान है, एक अंधेरी झोपड़ी का वह स्वयं दिनमान है, जब पसीने की कलम से वक्त खुद गीता लिखे, एक ग्वाला भी स्वयं बनता कभी भगवान है' के द्वारा कार्यक्रम को ऊंचाई दी।

साहित्य भूषण हरीलाल मिलन ने कहा कि साहित्यकार अपने समय के सत्य का सटीक पारखी है। वह भविष्य दृष्टा भी है। उनकी रचना ' कभी सुख, कभी दुःख के किस्से कहेंगे, गजल गीत दोहों की नदियां बहेंगी, मुझे याद करता रहेगा जमाना, मेरे बाद मेरी किताबें रहेंगी' को श्रोताओं ने सराहा।

संस्थान के अध्यक्ष डा. त्रिभुवन प्रसाद मिश्र ने कहा कि उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान की प्रधान सम्पादक डॉ. अमिता दुबे को सम्मानित कर संस्थान स्वयं गौरवान्वित है। इससे और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। दुर्गेश कुमार मिश्र की स्मृति में जो सम्मान कवि साहित्यकार एवं चयनित छात्रों को दिया जाता है उसके मूल उद्देश्य में सद्भावना और संकल्प निहित है।

संचालन करते हुये वरिष्ठ कवि डा. रामकृष्णलाल जगमग ने कहा कि बस्ती की धरती पर अनेक स्वनामधन्य रचनाकारों का आगमन हुआ है। उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान की प्रधान सम्पादक डॉ. अमिता दुबे ने अपने प्रशासनिक और पारिवारिक दायित्वों का पालन करते हुये 48 पुस्तकों की रचनाकर भारतीय मनीषा को समृद्ध किया है। साहित्यिक समाज को उनसे बहुत अपेक्षायें हैं। डा. सत्यव्रत ने आयोजन की उपादेयता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

इस अवसर दुर्गेश कुमार मिश्र की स्मृति में हरीलाल मिलन, डा. राधेश्याम 'बंधु' डा. ओम प्रकाश वर्मा 'ओम' ज्ञानेन्द्र द्विवेदी 'दीपक' डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग', विनोद उपाध्याय, हरीराम बंसल, श्याम प्रकाश शर्मा, डा. वी.के. वर्मा, श्रीमती नीलम सिंह, वी.के. मिश्र, डा. सत्यव्रत, अमेरिका से पधारी मशाल स्मिथ, सर्वेश कुमार श्रीवास्तव, डा. कृष्ण प्रसाद मिश्र, जगदम्बा प्रसाद भावुक आदि को अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह, सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में निराला साहित्य एवं संस्थान द्वारा डा. त्रिभुवन प्रसाद मिश्र को उनके साहित्यिक योगदान के लिये सम्मानित किया गया।

सतीश आर्य द्वारा प्रस्तुत मां सरस्वती की वंदना से आरम्भ कवि सम्मेलन में अनेक कवियों ने काव्य पाठ किया। डा. ज्ञानेन्द्र द्विवेदी के शेर ' छोडिये गुरू द्रोण की, एकलव्य की आइये बातें करें मनत्व्य की' के द्वारा समय को स्वर दिया। विनोद उपाध्याय की रचना ' हमारी याद में आंसू बहा रहा है कोई, नजर से दूर है लेकिन बुला रहा है कोई' को सराहना मिली। ओज के समर्थ कवि डा. ओम प्रकाश वर्मा 'ओम' की ओजस्वी कविताओं ने मंच को ऊंचाई प्रदान किया। डॉ. राम कृष्ण लाल जगमग ने जहां हास्य व्यंग्य रचनाओं के माध्यम से लोगों को हंसाया वहीं गंभीर रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं को सोचने पर बाध्य किया ' जो भी हो पर सत्य कहूंगा, झरना जैसा सदा बहूंगा, इन्ही किताबों के बल पर मैं मरने पर भी अमर रहूंगा' इसे काफी सराहना मिली। इसी कड़ी में अर्चना श्रीवास्तव, अनुरोध श्रीवास्तव, सुशील सिंह पथिक, डा. राजेन्द्र सिंह राही, शाद अहमद 'शाद' पं. चन्द्रबली मिश्र, दीपक सिंह प्रेमी, अजय श्रीवास्तव 'अश्क' हरिकेश प्रजापति, आदित्यराज, तौव्वाब अली, रहमान अली रहमान आदि ने वर्तमान संगति, विसंगतियों पर रचनायें प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से रामदत्त जोशी, त्रिपुरारी मिश्र, अमित मिश्र, पेशकार मिश्र, बटुकनाथ शुक्ल, उमेश चन्द्रा, आशुतोष प्रताप, सत्येन्द्रनाथ श्रीवास्तव, सात्विक श्रीवास्तव, अखिलेश श्रीवास्तव, धर्मेन्द्र कुमार चौधरी, के साथ ही बड़ी संख्या में श्रोतागण उपस्थित रहे।

शंभू बॉर्डर पर तैनात सब इंस्पेक्टर की मौत

नई दिल्ली (आभा)। हरियाणा–पंजाब के शंभू बॉर्डर पर अंबाला शंभू बॉर्डर में तैनात जीआरपी के एसआई हीरालाल की मौत हो गई। उनकी मौत की वजह आंसू गैस के गोले से दम घुटना बताई जा रही है। पानीपत के गांव चुलकाना निवासी एसआई हीरालाल की पोस्टिंग जीआरपी समालखा चौकी में थी। हाल ही में इनकी ड्यूटी किसान आंदोलन के चलते अंबाला में लगाई गई थी। इस दौरान आंसू गैस के गोलों से दम घुटने से उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अगली कार्रवाई शुरू कर दी है। मालूम हो कि शुक्रवार को फिर शंभू बॉर्डर पर तनाव की स्थिति बन गई है। पुलिस और किसान आमने–सामने हो गए। पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे।

वहीं, गुरदासपुर के किसान की हार्ट अटैक से मौत हो गई।

विधानसभा मिलन समारोह में विभिन्न दलों के लोग भाजपा में शामिल

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी द्वारा विधान सभा मिलन समारोह, सदस्यता कार्यक्रम के अंतर्गत पार्टी द्वारा हर्रैया कप्तानगंज रुधौली सदर और महादेवा विधानसभाओ में विधानसभा मिलन का आयोजन किया। जिला महामंत्री किसान मोर्चा अमृत कुमार वर्मा ने बताया की भाजपा व मोदी सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर अन्य दलों के सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने भाजपा में विश्वास जताया, उनको पार्टी की प्राथमिक सदस्यता व पार्टी की पटिका पहनाकर कर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा बस्ती सांसद हरीश द्विवेदी जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र लोकसभा प्रभारी सेतभान राय मौजूद रहे। बताते चले की लोकसभा चुनाव के पहले भारतीय जनता पार्टी कोई भी कोर कसर छोड़ना नहीं चाहती। बेगानों को अपना मनाने की बात हो या रूठों को मनाना पार्टी हर स्तर पर योजना तैयार कर रही है। अब बस्ती लोकसभा क्षेत्र में हुए विधानसभा मिलन समारोह में हजारो की संख्या में अन्य दलों के नेता अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुई है। भारतीय जनता पार्टी के विधानसभा मिलन समारोह के अंतर्गत बागी नेताओ ने भारतीय जनता पार्टी में वापसी की तथा उनकी सदस्यता बहाल हुई है। वही मिलन समारोह में प्रधान, सभासद व बीडीसी समेत अल्पसंख्यक समुदाय, पूर्व ग्राम प्रधान एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अन्य दलों को छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में अपनी आस्था जताई। बतात दें कि आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने युद्ध स्तर पर कार्य शुरू कर दिया है। इसी के अंतर्गत आज हजारो लोगों ने भारतीय जनता पार्टी का दामन को थामा। सांसद हरीश द्विवेदी ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की नीति सबका साथ सबका विकास को देखते हुए भारी मात्रा में लोग भाजपा में बढ़ चढ़कर सदस्यता ग्रहण कर रहें है। सांसद ने कहा भारतीय जनता पार्टी देश समाज राष्ट्र के लिए कार्य करती है पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए राष्ट्र फर्स्ट, पार्टी सेकंड, परिवार लास्ट रहता है। भाजपा जन संघ के जमाने से लोगों का विश्वास कायम रहे उस नीति पर काम करती है, जो कहती है वह करती है। आज जब से भारतीय जनता पार्टी लोगों के विश्वास के दम पर पूर्ण रूप से बहुमत के साथ यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सत्ता में आई है अपने द्वारा किए हुए सभी वादों को पूरा करने का काम किया है चाहे राम मंदिर निर्माण की बात हो या धारा 370 हटाना हो सभी वादों को नरेंद्र मोदी ने पूरा किया है। भाजपा समाज के हर तबके के लोगों को साथ लेकर चलती है और पंडित दीनदयाल के आदर्शों को पूरा करते हुए समाज के अंतिम पावदान के व्यक्ति तक सरकार के विकास की योजनाओं को पहुंचा रही है। कहीं से कोई जाति पाति धर्म का भेदभाव इस सरकार में नहीं हो रहा है। पार्टी सबका साथ, सबका विकास के साथ काम कर रही है। अपने संबोधन में कहा कि सदस्यता ग्रहण करने वाले सभी का भाजपा में स्वागत है और सबका पूरा मान सम्मान किया जाएगा।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है, सबका साथ सबका विकास और सबका प्रयास के मूल मंत्र के साथ आप सभी क्षेत्र के विकास एवं राष्ट्र के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे। आए हुए विभिन्न दलों के सभी कार्यकर्ताओं का भाजपा में सदस्यता ग्रहण करने पर हृदय की गहराइयों से स्वागत अभिनंदन किया और उनको विश्वास दिलाया भारतीय जनता पार्टी हमेशा आपके साथ खड़ी है। हम सबको मिलकर 2024 के लोकसभा चुनाव को बस्ती में फतह करना है और देश में फिर एक बार मोदी सरकार बनानी है।

सदस्यता ग्रहण करने वालों में सभासद राधेश्याम पाल, रमेश गुप्ता, गुलाब चंद कन्नौजिया, मनीराम, हरिश्चन्द्र भारती, राम प्रकाश मिश्र, चंद्र मोहन भट्ट, शत्रुधन चौधरी, आलोक चौधरी, कृष्णलता अग्रहरी, हाजी वहाब, किस्मत अली, आनन्द अग्रहरी, डिम्पल यादव, सोनू गौतम, सुनील चौहान, विद्याधर शर्मा, लाल बहादुर भट्ट, राम वृक्ष प्रजापति, विन्देश्वरी भारती, विनोद राम शिव, आयुष भट्ट, दुर्गावती, विमला, सुनीता, माधुरी, बेबी, कमलावती, ललिता, राजकुमारी, प्रीति पाण्डेय, मंजरी पाण्डेय, मो नसीम, मो शकील, मो इसरार, मो असलम, अजीत चौधरी, राजेश कुमार, पन्ने लाल गौतम, विन्दा गौड़ आदि शामिल रहे।

एन.एस.यू.आई. ने शुरू किया जागरूकता अभियान: छात्र हितों के लिये करेंगे संघर्ष– नोमान अहमद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शुक्रवार को एन.एस.यू.आई. जिला महासचिव सोनम सैनी के नेतृत्व में एपीएन पी.जी. कालेज में जागरूकता अभियान चलाया गया।

एन.एस.यू.आई. छात्र संघ चुनाव प्रभारी नोमान अहमद ने जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुये कहा प्रदेश सरकार डिग्री कालेजों में छात्र संघ चुनाव कराने की दिशा में गंभीर नहीं है। छात्र संघ राजनीति की प्रयोगशाला है किन्तु भाजपा सरकार छात्र संघों को समाप्त कर देना चाहती है। एन.एस.यू.आई. इसे बर्दाश्त नहीं करेगी और छात्र संघ का चुनाव कराने की मांग को लेकर चरणबद्ध ढंग से संघर्ष जारी रहेगा। नोमान अहमद ने इस बात पर जोर दिया कि शिव हर्ष किसान पी.जी. कालेज और एपीएन पी.जी. कालेज के साथ ही जनपद के सभी डिग्री कालेजों में जागरूकता और सदस्यता अभियान चलाया जाय।

नोमान अहमद ने बताया कि जागरूता अभियान के दौरान जिलाध्यक्ष सुधीर यादव की अध्यक्षता में चले सदस्यता अभियान में अर्पित पाठक, उमाशंकर त्रिपाठी, अनितेश, संदीप यादव, फरमान अहमद, हबीबा खातून, सोनल सैनी, नाजरीन, फिजा, अंजली आदि ने योगदान दिया।

विश्व हिन्दू महासंघ बस्ती सदर तहसील पदाधिकारी घोषित:चन्द्रकान्त पाण्डेय अध्यक्ष, राजू सिंह महामंत्री बने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को विश्व हिन्दू महासंघ पदाधिकारियों की बैठक जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में अस्पताल चौराहा के निकट स्थित सुलक्ष्मी टावर में सम्पन्न हुई। बैठक में सर्व सम्मत से बस्ती सदर तहसील का गठन करते हुए नवनियुक्त पदाधिकारियों को भगवा अंगवस्त्र भेट कर संगठन के प्रति सच्ची निष्ठा और संगठन के गोपीनीयता का सपथ दिलाया गया ।

जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बताया कि सर्व सम्मत से चन्द्रकान्त पाण्डेय तहसील अध्यक्ष, राजू सिंह महामंत्री, चन्द्र मोहन भट्ट संयोजक, वीनस जायसवाल उपाध्यक्ष, शैलेंद्रसिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष,विश्राम ठाकुर, राजेश विश्वकर्मा, विमल सिंह, सुधीर सिंह मंत्री श्याम मोहन सिंह कोषाअध्यक्ष, प्रभात भट्ट तहसील मिडिया प्रभारी, विनोद कुमार भट्ट , लालबहादुर सदस्य घोषित किये गये।

पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुये विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि तहसील पदाधिकारी पूरी निष्ठा से अपने दायित्वों का पालन करें और हिन्दू अस्मिता, गोवंश रक्षा के लिये रचनात्मक संघर्ष करें।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 17 फरवरी 2024 शनिवार

सम्पादकीय

चंदे के धंधे पर लगाम

देश की सर्वोच्च अदालत ने गुरुवार को दिये अपने महत्वपूर्ण फैसले में चुनावी चंदे में पारदर्शिता लाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। शीर्ष अदालत ने राजनीतिक दलों के लिये चंदा मुहैया कराने वाले इलेक्टोरल बॉन्ड को असंवैधानिक बताते हुए रद्द करने का फैसला सुनाया है। लोकतांत्रिक अधिकारों के संरक्षक के दायित्व को निभाते हुए कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड के तहत मिली राशि को गोपनीय रखने को सूचना के अधिकार कानून का उल्लंघन बताया। शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ इस बात से चिंतित थे कि यदि राजनीतिक दल इसी तरह कंपनियों से गुपचुप चंदा लेते रहे तो कालांतर दान देने वाले कारोबारियों की अनुचित लाभ जुटाने की प्रवृत्ति को भी बढ़ावा मिल सकता है। मुख्य न्यायाधीश का मानना था कि चुनावी प्रक्रिया में काले धन पर काबू पाने के अन्य विकल्पों पर विचार किया जाना चाहिए, इलेक्टोरल बॉन्ड इसका अंतिम उपाय नहीं हो सकता। शीर्ष अदालत के इस फैसले का लोकतंत्र संरक्षण से जुड़ी संस्थाएं स्वागत कर रही हैं और इस फैसले को ऐतिहासिक बता रही हैं। अदालत के फैसले की महत्वपूर्ण बात यह भी कि बैंकों को राजनीतिक दलों को इलेक्टोरल बॉन्ड के तहत मिली राशि की जानकारी देने के भी निर्देश दिए गए हैं। अदालत ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को निर्देश दिया कि वह चुनाव आयोग को चंदे से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराये। महत्वपूर्ण यह भी कि चुनाव आयोग इस ब्योरे को 31 मार्च तक अपनी वेबसाइट पर आम लोगों के लिये जानकारी के लिये सार्वजनिक करेगा। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय बेच ने सर्वसम्मति से यह फैसला सुनाया। बेंच में मुख्य न्यायाधीश के अलावा न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति जेबी पार्डीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्र शामिल थे। राजनीतिक पंडित व कानूनी विशेषज्ञ मान रहे हैं कि इस फैसले से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने में मदद मिलेगी। जिसके भारतीय लोकतंत्र पर दीर्घकालीन सकारात्मक प्रभाव होंगे।

दरअसल, राजनीतिक दलों को बॉन्ड स्कीम के तहत चंदा मिलने को लेकर देश में लंबे समय से सवाल उठाये जाते रहे हैं। वजह थी कि किस दल को किस व्यक्ति से चंदा मिला है, सार्वजनिक नहीं होता था। यह भी पता नहीं चलता किस व्यक्ति ने बॉन्ड खरीदे हैं और कितने रुपये के बॉन्ड खरीदे हैं। आमतौर पर सत्तारूढ़ दल को इस चंदे का ज्यादा लाभ मिलता रहा है। यही वजह है कि शीर्ष अदालत ने इसे असंवैधानिक कहा और इसे सूचना के अधिकार का अतिक्रमण बताया। साथ ही चिंता यह भी थी कि कहीं बड़ी कंपनियां गुपचुप तरीके से मोटा चंदा देकर कालांतर सरकारों के फैसले को प्रभावित करने के खेल में न लग जाएं। साथ ही अनुचित कार्यों के लिये लाभ उठाने के लिये दबाव बनाएं। राजनीतिक दल यह भी आरोप लगाते रहे हैं कि बैंकों के पास इस बॉन्ड के लेन–देन की पर्याप्त जानकारी होती है, जिसका उपयोग सरकार अपने हित और राजनीतिक लक्ष्यों की पूर्ति के लिये कर सकती है। लोकतांत्रिक अधिकारों के लिये संघर्ष करने वाले संगठन इस फैसले को कॉपोरेट जगत की चंदा देने की सीमा निर्धारित करने वाला बता रहे हैं। जिससे बड़े पूंजीपतियों की चुनावी प्रक्रिया में दखल पर अंकुश लग सकेगा। सूचना अधिकार समर्थक भी इसे अपनी बड़ी जीत बता रहे हैं। जानकार बता रहे हैं कि कोर्ट के इस फैसले का आसन्न आम चुनावों पर खासा असर पड़ सकता है। बहरहाल, इस फैसले के आलोक में इस बात पर विचार करने की जरूरत है कि अन्य स्रोतों से राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे की निगरानी कैसे हो सकती है। सरकार कह सकती है कि इस रोक से देश की चुनावी प्रक्रिया में कालेधन को बढ़ावा मिल सकता है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने इस योजना की घोषणा वर्ष 2017 में की थी और जनवरी 2018 में इसे लागू भी कर दिया था। इसके अंतर्गत एक हजार से लेकर एक करोड़ मूल्य तक के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे जा सकते थे। विपक्षी दल इस योजना का ज्यादा लाभ सतारूढ़ दलों को होने की बात कहते रहे हैं।

सिर्फ नाम और नारा देकर बिखरने वाला इंडिया गठबंधन

–नीरज कुमार दुबे–

OPPOSITION PARTIES ME
UNITED WE STAN
17-18 JULY BENGALURU, KARNATAKA

विपक्षी दलों ने इंडिया नामक गठबंधन बना कर नारा दिया था कि जीतेगा इंडिया। विपक्षी दलों ने केंद्र की सत्ता से मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने का दम भरते हुए कहा था कि हम 400 सीटों पर भाजपा के खिलाफ एक उम्मीदवार उतारेंगे ताकि भाजपा को हराया जा सके। विपक्षी दलों ने दावा किया था कि हम सीट बंटवारे के समय बड़ा दिल दिखाएंगे। लेकिन यह सब दावे तब हवा हवाई हो गये जब यह गठबंधन ही भरभरा कर गिर गया। पहले तो इस गठबंधन की नींव रखने वाले नीतीश कुमार ही पलटी मार कर वापस एनडीए के पाले में चले गये। फिर राष्ट्रीय लोक दल ने भी एनडीए का दामन थाम लिया। तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने भी इस गठबंधन से किनारा कर लिया। आम आदमी पार्टी ने तो अपने उम्मीदवार भी घोषित करने शुरू कर दिये।

अब जम्मू–कश्मीर की प्रमुख पार्टी नेशनल कांफ्रेंस ने भी ऐलान कर दिया है कि वह लोकसभा और विधानसभा चुनाव बिना किसी गठबंधन के अपने बलबूते लड़ेगी। हम आपको बता दें कि विपक्ष ने मोदी सरकार के खिलाफ एकजुट होने के प्रयास तो भरसक किये लेकिन आपसी विश्वास की कमी से यह गठजोड़ हमेशा बिखरता चला गया। याद कीजिये जब राष्ट्रपति चुनाव की बात आई थी तब भी विपक्ष एकजुट हुआ था लेकिन ऐन मौके पर सारे बड़े नेता चुनाव लड़ने से पीछे हट गये थे और यशवंत सिन्हा को आगे कर दिया था। ऐसा ही हाल उपराष्ट्रपति चुनाव के दौरान भी देखने को मिला था जब विपक्षी एकजुटता ऐन चुनाव से पहले बिखर गयी और कोई सशक्त उम्मीदवार देने की बजाय पूर्व राज्यपाल मारग्रेट अल्वा को मैदान में उतार दिया गया था।

यही हाल लोकसभा चुनावों से पहले भी देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री पद के अलावा गठबंधन के संयोजक के पद के लिए भी इतने दावेदार थे कि बात बन ही नहीं पाई। यह गठबंधन सिर्फ नाम और नारा तय करने के बाद ही बिखर गया। देखा जाये तो यह भारतीय राजनीति में सबसे विफल प्रयोग था क्योंकि इससे पहले बनने वाले गठबंधनों ने कुछ महीनों और सालों तक की जिंदगी जी लेकिन इंडिया गठबंधन तो मात्र तीन बैठकों के बाद ही टांय टांय फिस्स हो गया।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि विपक्षी गठबंधन इंडिया की एक प्रमुख पार्टी राकांपा भी टूट चुकी है और इसका बड़ा भाग एनडीए के खाते में जबकि छोटा टुकड़ा विपक्ष के पास बचा है। इसके अलावा चुनाव सिर पर होने के बावजूद राहुल गांधी को दिल्ली में सीट बंटवारे पर चर्चा करने की बजाय दूसरे प्रदेशों में घूमते देख फारुक अब्दुल्ला का माथा भी ठनक गया है और उन्होंने भी इस गठबंधन से किनारा कर लिया है। देखना होगा कि इस गठजोड़ में बचे खुचे दल भी चुनाव घोषणा तक साथ रहते हैं या जल्द ही किनारा करते हुए कांग्रेस को अकेला छोड़ देते हैं। फिलहाल तो इस गठबंधन के बचे हुए घटक दल एक दूसरे से 'तू चल मैं आया'कहते दिख रहे हैं। यही नहीं, हाल के दिनों में कांग्रेस के ही कई बड़े नेता पार्टी से किनारा कर चुके हैं और कई नेता किनारा करने की तैयारी में हैं। इससे इंडिया गठबंधन के बचे हुए घटक दलों में यह भी संदेश जा रहा है कि जो पार्टी खुद एकजुट नहीं है वह विपक्षी दलों को कैसे एकजुट रख पायेगी?

हिंदुत्व के नव उल्लास का दौर

–उमेश चतुर्वेदी–

रामंमंदिर आंदोलन के उफान के दिनों में विश्व हिंदू परिषद ने एक नारा दिया था, अभी तो ये झांकी है, काशी–मथुरा बाकी है। सेकुलर जमात समेत राममंदिर के तमाम विरोधी संघ परिवार को निशाना बनाने के लिए इस नारे को भी जरिया बनाते थे। राम भक्तों को उम्मीद तो थी कि एक न एक दिन उनके आराध्य राम का मंदिर जरूर बनेगा, लेकिन उसके जल्द साकार होने की उम्मीद नहीं थी। जब राममंदरि के ही जल्द बनने की गुंजाइश नहीं दिखती थी, तब काशी और मथुरा के देवस्थानों की मुक्ति का सपना भी दूर की कौड़ी लगता था। बीती 22 जनवरी को राम मंदिर साकार हो चुका है, काशी के ज्ञानवापी परिसर का सर्वे हो चुका है और वहां के तलघर स्थित व्यास मंदिर की पूजा–अर्चना की न्यायिक राह भी खुल गई है। इन घटनाओं से उम्मीद बढ़ चली है कि जल्द ही काशी का विश्वेश्वर मंदिर भी मध्यकालीन आक्रांता के क्रूर निशानों से मुक्त हो जाएगा। इसी तरह मथुरा की कृष्ण जन्मभूमि पर अवैध कब्जे पर न्यायिक सुनवाई जारी है।

बदले हालात में सेकुलरवादी खोल में गंग–जमुनी संस्कृति की धारा बहाते रहे इतिहासकारों के सुर भी बदलने लगे हैं। खुले तौर पर ऐतिहासिक तथ्यों को स्वीकार करने के उहापोह से और बौद्धिक बेईमानी से वे बाहर निकलने लगे हैं। वामपंथी इतिहासकार इरफान हबीब खुलेआम स्वीकार कर चुके हैं कि मध्यकाल में काशी, मथुरा और अयोध्या पर मुगल आक्रांताओं ने कब्जा किया था। वैसे इसे स्वीकार करने के लिए उन्हें विशेष रूप से अयोध्या और वाराणसी में मिले पुरातात्विक साक्ष्य और प्रमाण ने भी मजबूर किया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर अयोध्या की जब पुरातत्व सर्वेक्षण ने खुदाई की तो वहां मंदिर होने के अकाट्य प्रमाण मिले।

इसी तरह वाराणसी की सत्र अदालत के निर्देश पर जब ज्ञानवापी मंदिर का पुरातात्विक सर्वेक्षण हुआ तो वहां भी शिवलिंग मिला, हिंदू मंदिर के भित्ति चित्र मिले, मस्जिद की दीवारों पर सनातनी आस्था के प्रतीक मिले। इन तथ्यों के आलोक में कोई निर्लज्ज इतिहासकार ही होगा, जो मध्यकालीन आक्रांताओं के क्रूर आक्रमणों और कब्जे को नकार पाएगा। इतिहासकारों के अनुसार, अकेले औरंगजेब के ही राज में देश के एक हजार मंदिर तोड़े गए। औरंगजेब का शासन 1658 से 1707 यानी कुल 9 साल रहा। अपने शासनकाल में औरंगजेब ने मंदिरों को तोड़ा और उनकी जगहों पर मस्जिदें बनवाईं। काशी की ज्ञानवापी और मथुरा की मस्जिद औरंगजेब के हिंदुत्व विरोधी कार्य की देन है। वैसे तोड़े गए मंदिरों की संख्या को लेकर इतिहासकारों की एक राय नहीं है। लेकिन उनका मानना है कि हजारों मंदिर तोड़े गए।

राममंदिर बन चुका है। साल 2019 में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद इस विवाद का अंत हुआ। वैसे हमें याद रखना चाहिए कि अयोध्या के राममंदिर को 1528 में बाबर के सेनापति मीर बकी ने तोड़कर बाबरी मस्जिद बनवाई थी। जिस ज्ञानवापी मंदिर को लेकर इन दिनों चर्चा है, उसके बारे में कहा जाता है कि काशी का विश्वनाथ मंदिर प्राचीन काल से ही है। इतिहासकारों के अनुसार, 1100 ईसा पूर्व राजा हरिश्चंद्र और फिर सम्राट विक्रमादित्य ने इसका जीर्णोद्धार कराया था। जिसको 1194 में मुहम्मद गौरी ने लूटा और उसे तोड़ दिया। बाद में इसे हिंदू राजाओं ने बनवाया, लेकिन 1447 में जौनपुर के सुल्तान महमूद शाह ने इसे फिर तोड़ दिया। फिर 1585 ई. में राजा टोडरमल की मदद से पं. नारायण भट्ट ने यहां भव्य मंदिर का निर्माण करवाया। 1632 में इसे तोड़ने के लिए शाहजहां ने सेना भेजी, लेकिन भारी विरोध की वजह से मंदिर नहीं तोड़ा जा सका। लेकिन यहां के 63 मंदिर तोड़ दिए गए। औरंगजेब ने सत्ता संभालने के बाद 18 अप्रैल 1669 को मंदिर पर आक्रमण बोला और उसे तोड़कर ज्ञानवापी मस्जिद बनवाई। बाद में 1777 से 80 के दौरान महारानी अहिल्याबाई होलकर ने मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया।

मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि की भी कुछ ऐसी ही कहानी है। इतिहासकारों के मुताबिक, औरंगजेब ने यहां बने प्राचीन केशव मंदिर को तोड़कर उसी जगह 1660 ईस्वी में शाही ईदगाह मस्जिद बनवाई। इस पर कब्जे को लेकर 1770 में गोवर्धन में मुगल और मराठा सेनाओं की भिड़ंत हुई, जिसमें इसमें मराठाओं की जीत हुई। विजय के बाद मराठा लोगों ने फिर से यहां मंदिर बनवाया। लेकिन मस्जिद का एक हिस्सा कायम रहा। अब इसको लेकर भी न्यायिक सुनवाई शुरू हो चुकी है। इसी तरह गुजरात के सोमनाथ मंदिर को भी पहले गजनवी ने लूटा और तोड़ा। जिसका आजादी के फौरन बाद सरदार पटेल की पहल पर जीर्णाद्धार हुआ। राम मंदिर के लिए करीब साढ़े चार सौ साल तक संघर्ष चला। कई बार खून बहा। आजाद भारत में भी कम से कम तीन बार राममंदिर के लिए खून बहा। लेकिन उसके विवाद को सुलझाने की राह न्यायिक मंदिर से निकली। हालांकि यह तथ्य भी स्वीकार करने से गुरेज नहीं होना चाहिए कि अगर छह दिसंबर को बाबरी ढांचा गिराया नहीं गया होता तो शायद न्यायिक राह भी इस तरह नहीं खुलती। लेकिन राममंदिर विवाद के पटाक्षेप में जिस तरह न्याय के मंदिर ने भूमिका निभाई है, उससे ही उम्मीद बनी है कि मथुरा और ज्ञानवापी के विवाद को सुलझाने और मध्यकालीन आक्रांताओं की निशानी को दूर करने में अदालत की मददगार होगी।

ज्ञानवापी के सर्वे के बाद मिले साक्ष्यों के बाद यह आशा और बलवती ही हुई है। कृष्ण जन्मभूमि विवाद को लेकर जिस तरह सुनवाई आगे बढ़ रही है, उससे लगता है कि जल्द ही मथुरा में कान्हा की किलकारी की अनुगूंज सुनाई देगी, कृष्णलीलाओं वाला मंदिर यहां मूर्त होगा और भक्तों को कान्हा लुभाने लगेंगे। इतिहासकार इरफान हबीब ने भले ही यह स्वीकार कर लिया हो कि मध्यकाल में मुगलों ने हिंदू मंदिरों को तोड़ा, लेकिन लगे हाथों यह कहने से भी वे नहीं रूके कि पांच सौ साल पुराने विवाद को सुलझाने के लिए तोड़े गए मंदिर को वापस देने से विवाद ही बढ़ेगा। यानी एक तरह से हबीब जैसे सेकुलर जमात के लोग भावी विवाद और संघर्ष को थामने के साथ ही मुस्लिम समुदाय के अधिकारों को संरक्षित करने की बौद्धिक कोशिश कर रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहनराव भागवत इन दिनों बार–बार कह रहे हैं कि काशी, मथुरा और अयोध्या की पुनर्स्थापना के बाद हिंदू समुदाय को अतीत के बाकी विवादों को भूल जाना चाहिए। सामाजिक समभाव के लिए यह विचार भले ही जरूरी हो, लेकिन इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि राममंदिर और काशी विश्वनाथ मंदिर के पुनरूद्धार के बाद देशभर में मुगलों द्वारा तोड़े गए मंदिरों के उद्धार की भावना बलवती हो सकती है। जिन मंदिरों की जगह पर मस्जिदें खड़ी हैं, उनके खिलाफ भी जनमानस का दबाव बढ़ेगा। इतिहासकारों के लिखे शब्दों में उन मंदिरों का रिकॉर्ड दर्ज भले ही ना हो, लेकिन श्रुति परंपरा में गांव–गांव तक हिंदू मंदिरों पर बनी मस्जिदों की कहानियां लोक स्मृति में पैठी हुई हैं। उन्हें भुला पाना सामूहिक स्मृतियों के लिए आसान नहीं होगा। इसलिए यह तय मानिए कि जबरिया तोड़े गए मंदिरों की आवाज गांव–गांव से उठेगी। इससे संघर्ष का नया दौर भी शुरू हो सकता है। अयोध्या में राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद जिस तरह लोकभावना का ज्वार उमड़ा पड़ा है, उससे हिंदुत्व की अलग तरह की धारा बह रही है। जिसमें जातियों के विभाजन की लकीर धुंधली पड़ गई है। राम के नाम पर जाति और वर्ग का बंटवारा कमजोर पड़ा है। साफ है कि राम की धारा बह रही है। वैसे राम की कोई अलग धारा नहीं है, जो राम की धारा है, वही कृष्णराग भी है

और शिव का तांडव भी। सनातनी संस्कृति में राम, कृष्ण और शिव एक ही हैं। समाजवादी राममनोहर लोहिया तो हिंदुत्व की इन तीनों धाराओं का अपने ढंग से सांस्कृतिक विवेचन कर चुके हैं और इस बहाने हिंदू समाज और सनातनी संस्कृति के एकत्व की उन्होंने व्याख्या की है। हिंदुओं की लोक स्मृति में हजारों–हजार साल से एकत्व की यह धारा कायम है। इसका नव जागरण होना स्वाभाविक है। नवजागरण की यह धारा हिंदुत्व के नव उत्साह का प्रतीक है। इसके जरिए अगर गांव–गांव पुनरूद्धार की सोच विकसित हो तो उसे कौन रोक पाएगा। भक्ति और आस्था के दीवानों को भला कोई वक्त रोक पाया है। ऐसे में काशी और मथुरा भी जल्द मुक्त हो जाएं तो आश्चर्य कैसा?–

वाराणसी की सत्र अदालत के निर्देश पर जब ज्ञानवापी मंदिर का पुरातात्विक सर्वेक्षण हुआ तो वहां भी शिवलिंग मिला, हिंदू मंदिर के भित्ति चित्र मिले, मस्जिद की दीवारों पर सनातनी आस्था के प्रतीक मिले। इन तथ्यों के आलोक में कोई निर्लज्ज इतिहासकार ही होगा, जो मध्यकालीन आक्रांताओं के क्रूर आक्रमणों और कब्जे को नकार पाएगा। इतिहासकारों के अनुसार, अकेले औरंगजेब के ही राज में देश के एक हजार मंदिर तोड़े गए। औरंगजेब का शासन 1658 से 1707 यानी कुल 9 साल रहा। अपने शासनकाल में औरंगजेब ने मंदिरों को तोड़ा और उनकी जगहों पर मस्जिदें बनवाईं। काशी की ज्ञानवापी और मथुरा की मस्जिद औरंगजेब के हिंदुत्व विरोधी कार्य की देन है। वैसे तोड़े गए मंदिरों की संख्या को लेकर इतिहासकारों की एक राय नहीं है। लेकिन उनका मानना है कि हजारों मंदिर तोड़े गए। राममंदिर बन चुका है। साल 2019 में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद इस विवाद का अंत हुआ। वैसे हमें याद रखना चाहिए कि अयोध्या के राममंदिर को 1528 में बाबर के सेनापति मीर बकी ने तोड़कर बाबरी मस्जिद बनवाई थी। जिस ज्ञानवापी मंदिर को लेकर इन दिनों चर्चा है, उसके बारे में कहा जाता है कि काशी का विश्वनाथ मंदिर प्राचीन काल से ही है। इतिहासकारों के अनुसार, 1100 ईसा पूर्व राजा हरिश्चंद्र और फिर सम्राट विक्रमादित्य ने इसका जीर्णोद्धार कराया था।

यूपी में सिमटती कांग्रेस

–अभिनव आकाश–

अरे ओ आसमाँ वाले बता इस में बुरा क्या है

खुशी के चार झोंके गर इधर से भी गुजर जाएँ

साहिर लुधियानवी का ये शेर देश की ग्रैंड ओल्ड पार्टी के वर्तमान हालात पर एकदम मौजूं हैं। गांधी–नेहरू परिवार की राजनीतिक सरजमीं जिस उत्तर प्रदेश से रही वहां कांग्रेस का जनाधार एकदम खत्म होता जा रहा है। उत्तर प्रदेश की फूलपुर, रायबरेली, अमेठी हो जवाहरलाल नेहरू से लेकर राहुल गांधी तक सभी ने उत्तर प्रदेश की किसी ने किसी सीट को अपना गढ़ बनाया था। देश के पहले प्रधानमंत्री जवारलाल नेहरू उत्तर प्रदेश के फूलपुर से चुनाव लड़ते थे। फूलपुर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में पड़ता है। जवाहरलाल नेहरू की बेटी इंदिरा गांधी ने उत्तर प्रदेश की रायबरेली को अपना गढ़ बनाया। इंदिरा गांधी के पति फिरोज गांधी ने भी रायबरेली से चुनाव जीता था। जवाहरलाल नेहरू के चचेरे भाई की पत्नी उमा नेहरू ने उत्तर प्रदेश के सीतापुर से चुनाव जीता था। जवाहरलाल नेहरू की बहन विजय लक्ष्मी पंडित ने भी फूलपुर सहित चुनाव लड़ा था। इंदिरा गांधी के बेटे संजय गांधी और राजीव गांधी ने अमेठी लड़ा। राजीव गांधी की पत्नी सोनिया गांधी ने अमेठी और रायबरेली से चुनाव लड़ा। राजीव और सोनिया के बेटे राहुल गांधी भी अमेठी से ही चुनाव लड़ते रहे। उमा नेहरू के नाती अरुण नेहरू रायबरेली से चुनाव लड़े। संजय गांधी की पत्नी मेनका गांधी उत्तर प्रदेश के पीलीभीत से और उनके बेटे वरुण सुल्तानपुर से चुनाव लड़ते रहे।

इन सभी में से रायबरेली ऐसी सीट रही है जहां कांग्रेस आजादी के बाद से वह 17 आम चुनाव में से केवल तीन बार हारी है। इसी तरह वर्ष 1967 में बनी अमेठी सीट पर भी कांग्रेस केवल 3 बार हारी है। नेहरू गांधी परिवार की जगह भले ही कश्मीर से जुड़ी बताई जाती हो लेकिन नेहरू गांधी परिवार के राजनीतिक इतिहास की शुरुआत उत्तर प्रदेश होती है। जवाहरलाल नेहरू और उनके पिता मोतीलाल नेहरू दोनों ही ब्रिटिश हुकुमत में इलाहाबाद हाईकोर्ट वकील थे। पंडित नेहरू का जन्म इलाहाबाद में ही हुआ था। मोतीलाल और जवाहरलाल दोनों ही इलाहाबाद में रहते हुए कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए थे। यानी इलाहाबाद जिसे आज प्रयागराज के नाम से जाना जाता है दोनों ही नेताओं की राजनीतिक कर्म भूमि रही है।

वर्ष 1952 में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने आजाद भारत का अपना पहला चुनाव उत्तर प्रदेश के फूलपुर से ही जीता था। वही जवाहरलाल नेहरू 1962 में अपना आखिरी चुनाव पर फूलपुर में ही लड़ा था। और सुनाओ मैं नेहरू ने राम मनोहर लोहिया को 50000 से ज्यादा वोटो से हराया था। 1964 में पंडित नेहरू के निधन के बाद उनकी बहन विजय लक्ष्मी पंडित ने फूलपुर से ही चुनाव लड़ा भी और जीत भी। साल 1962 में जवाहर लाल नेहरू के चचेरे भाई श्याम लाल नेहरू की पत्नी उमा नेहरू राज्यसभा पहुंची थी ये पहली बार था जब गांधी परिवार का कोई सदस्य राज्यसभा गया हो। इसके बाद 1964 में इंदिरा गांधी वो दूसरी सदस्य थी तो उत्तर प्रदेश से राज्यसभा गई थीं। लेकिन 1967 में इंदिरा ने लोकसभा चुनाव लड़ने का फैसला कर लिया था। लेकिन अब 57 साल बाद गांधी परिवार से कोई सदस्य राज्यसभा से जाने वाला है।

अमेठी सीट 1967 में बनी थी और तभी से नेहरू गांधी परिवार का कोई न कोई सदस्य इस सीट से चुनाव जीतता रहा है। 1977 में इंदिरा ने रायबरेली और उनके बेटे संजय ने अमेठी से चुनाव लड़ा। हालांकि इस चुनाव में दोनों की ही करारी हार हुई थी। 1999 में अमेठी और बिलारी और फिर 2004 से लेकर 2019 तक रायबरेली से सांसद सोनिया गांधी अबकी बार लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ना चाहती हैं। ऐसे में दवा यह भी किया जा रहा है कि राम लहर की वजह से सोनिया गांधी का यूपी से एग्जिट हो रहा है। यह तो आपको याद ही होगा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी अपनी अमेठी सीट बीजेपी की स्मृति ईरानी के हाथों गवार बैठे थे और उन्हें दक्षिण की वायनाड सीट पर जीत मिली थी। कुछ समय पहले कांग्रेस के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने यह जरूर कहा था की अमेठी की जनता चाहती है कि राहुल गांधी यहां से चुनाव लड़े। लेकिन अब तक कांग्रेस ने राहुल के अमेठी लौटने का कोई संकेत नहीं दिया है। क्या नेहरु गांधी परिवार को उत्तर में कोई सेफ सीट नजर नहीं आ रही है।

1998 में जब सोनिया गांधी ने पार्टी की कमान संभाली थी। तब भी पार्टी की हालत खराब थी। 1998 के लोकसभा चुनाव के नतीजों के फौरन बाद उन्हें अध्यक्ष पद सौंपा गया था। इसके बाद 1999 में पहली बार कांग्रेस ने सोनिया की अगुवाई में लोकसभा चुनाव लड़ा तब कांग्रेस जीती तो नहीं लेकिन सोनिया ने पार्टी के लिए मजबूत कैम्पेनिंग जरूर की थी। 1999 में सोनिया गांधी कैसे फ्रंट से लीड कर रही थी उसे ऐसे समझा जा सकता है कि 1999 में अमेठी जीता और कर्नाटक के बेल्लारी से सुषमा स्वराज को हराया था। साल 2004 आया और वाजपेयी सरकार का इंडिया शाइनिंग का नारा बुरी तरह पिट गया। इसकी कामयाबी का सेहर भी सोनिया गांधी के सिर बंधा। 2004 में सोनिया गांधी ने अमेठी की सीट अपने पुत्र राहुल गांधी को दी और 2004 से 2019 के चुनाव तक कांग्रेस हारी या जीती सोनिया गांधी कभी मैदान छोड़ती नजर नहीं आई। इसके पीछे कई कारण राजनीतिक विश्लेषकों की तरफ से दिए जाते हैं।

पंचायत इंटरमीडिएट कालेज में आयोजित हुआ दीक्षा कार्यक्रम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

महराजगंज। पंचायत इंटरमीडिएट कालेज में बोर्ड परीक्षा 2024 में शामिल हो रहे विद्यालय के छात्रों का दीक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विषयों के विषय विशेषज्ञ अध्यापकों द्वारा बोर्ड परीक्षा में अधिकतम अंक प्राप्त करने के लिये टिप्स दिया गया। अंग्रेजी विषय के अध्यापक अजित श्रीवास्तव ने बताया कि छोटे प्रश्नों के सटीक उत्तर लिखना महत्वपूर्ण है। सही उत्तर देकर ही अच्छे अंक प्राप्त किये जा सकते हैं । गणित विषय के अध्यापक ललित वार्ष्णेय और पुनीत सिंह ने कहा कि गणित के प्रश्नों से छात्रों को घबराना नही चाहिए। उत्तर देने में परीक्षक को भ्रमित करने का प्रयास नही करना चाहिये। स्टेप पर अंक देने की व्यवस्था है। सभी प्रश्नों का सही उत्तर देने का प्रयास करना चाहिये। मानविकी वर्ग के डा विनय यादव ने स्पष्ट लिखावट पर जोर दिया । समय के प्रबंधन को उन्होंने महत्वपूर्ण बताया। मनोवैज्ञानिक मनोज कुशवाहा ने सकारात्मक सोच रखकर परीक्षार्थियों को परीक्षा में भाग देने पर बल दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डा दीनबन्धु शुक्ल ने कहा कि एकग्रता के साथ तैयारी की आवश्यकता है। समय कम है सभी विषयों के अध्ययन की योजना बनाना जरूरी है । उन्होंने यह भी कहा कि सभी प्रश्नों को हल करने का प्रयास करके अच्छे अंक प्राप्त किये जा सकते हैं। विद्यालय की प्रबन्धक जयन्ती त्रिपाठी ने सभी छात्रों को बोर्ड परीक्षा के लिये शुभकामना देते हुए अच्छे अंक प्राप्ति का आशीर्वाद दिया। संरक्षक धीरेन्द्र कृष्ण त्रिपाठी ने इस अवसर पर कहा कि विद्यालय द्वारा पूरे वर्ष छात्रों के अनुकूल व्यवस्था दी गयी है। श्रेष्ठतम अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को विशेष पुरष्कार दिया जाएगा। सभी छात्र छात्राओं को प्रबन्धक,संरक्षक और प्रधानाचार्य द्वारा तिलक लगाकर परीक्षा में शानदार प्रदर्शन के लिए मंगलकामना किया गया।इस अवसर पर पी यन एकेडमी के प्रबन्धक सन्तोष कृष्ण त्रिपाठी,सुंदरम शांडिल्य,डा अंशुमान त्रिपाठी, विनोद सिंह, रामनारायण, दीपंकर पाण्डेय, कन्हैया यादव,आनंद सोनी, मृत्युंजय नवल,अवधेश कुमार, सुभाष प्रधान,प्रीति सिंह,नवी आलम,रवि प्रकाश द्विवेदी,सोनू बाबा,अजय सैनी,परमेन्द्र वर्मा सहित सभी शिक्षक उपस्थित थे।

जिले में 78 प्रोजेक्ट फाइनल, 23 उद्यमी राजधानी जाएंग

संवाददाता–गोंडा। राजधानी लखनऊ के साथ जिले में 19 फरवरी को जिला पंचायत सभागार में आयोजित की जाने वाली ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी को लेकर तैयारियां अंतिम दौर में हैं। इसमें हिस्सा लेने वाले 78 से अधिक निवेशकों का चयन जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र ने किया है। जिले में 10 करोड़ से अधिक का निवेश करने वाले 23 उद्यमी लखनऊ में आयोजित समारोह में हिस्सा लेंगे। जबकि, शेष जिला स्तर पर आयोजित होने वाले समारोह में आमंत्रित किए गए हैं।

उपायुक्त उद्योग बाबूराम ने बताया कि जीबीसी के लिए उद्यमियों से 1890 करोड़ रुपये से ज्यादा के प्रोजेक्ट प्राप्त हुए हैं। इसमें कुल 16 सरकारी विभागों को शामिल किया गया है। उपायुक्त उद्योग बाबूराम ने बताया कि प्रस्तावित निवेश से 8224 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। हालांकि पिछले वर्ष ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिति में 152 उद्यमियों से एमओयू कर 2890 करोड़ के निवेश प्रस्ताव बनाए गए थे। इससे 11719 लोगों को रोजगार से जोड़ने की योजना तैयार की गई थी। इसे अब ग्लोबल ब्रेकिंग सेरेमनी के जरिए धरातल पर उतारने की कवायद की जा रही है।

16 विभागों के जरिए 78 उद्यमियों ने दिए प्रस्तावरू जिले में तीन साल से आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिति के बाद चौथे साल प्रदेश सरकार ने पहली बार तीन दिवसीय जीबीसी ग्लोबल ब्रेकिंग सेरेमनी के आयोजन का फैसला किया है। जिला स्तर पर होने वाले कार्यक्रम में व्यापारियों को आमंत्रित किया गया है। उद्यमी मित्र डॉ. संदीप द्विवेदी ने बताया कि जिले के टॉप व्यापारी संस्था को स्टाल लगाने की कहा गया है।

इन विभागों से होंगे निवेशक रू जिले के 16 विभागों से ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में हिस्सा लेने वाले उद्यमियों ने कुल 1890 करोड़ रुपये निवेश करने के प्रस्ताव दिए है। इनमें सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग में 34 निवेशकों ने 328.2 करोड़ रुपए, पशुपालन से चार निवेशकों से 4 करोड़, डेयरी विकास विभाग में पांच कंपनियों ने 1121.20 करोड़, उद्यान विभाग से 8 कंपनियों ने 149.5 करोड़, चिकित्सा शिक्षा से 5 निवेशकों ने 22.07 करोड़, पर्यटन से चार कंपनियों ने 139.3, वन विभाग से चार कंपनियों ने 5.80 करोड़, सहकारिता से एक निवेशक ने 75 करोड़, हथकरघा से एक निवेशक ने पांच करोड़, तकनीकी शिक्षा से छह निवेशकों ने 10.6 करोड़, मत्स्य विभाग से एक निवेशक ने 1 करोड़, अतिरिक्त ऊर्जा से 18 करोड़ रुपये का निवेश होगा।

जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र से ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिति में पिछले साल 152 उद्यमियों के निवेश से करीब 2880.73 करोड़ के एमओयू प्राप्त हुए थे। इनमे से 78 उद्यमियों के प्रोजेक्टों के लिए 1890 करोड़ की स्वीकृति मिली है। जिसको धरातल पर उतारने की तैयारी पूरी की जा चुकी है। उद्योग विभाग की ओर से ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के लिए 78 उद्यमियों को किया गया है। ये उद्यमी जिले में 1890 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। इससे सालभर में 8224 से अधिक लोगों के लिए रोजगार में सृजित होगा। इससे व्यापारी वर्ग के लोगों को बुलाया गया है। जिससे लोगों को अधिक लाभ मिले। प्रदेश सरकार की तीन साल से संचालित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिति से व्यापारियों को निवेश करने का अवसर एक साल बाद जीबीसी के माध्यम से व्यापारियों की निवेश और आम जनता को रोजगार के अवसर मिलेंगे। भूपेंद्र प्रकाश आर्य, जिलाध्यक्ष, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने कहा कि ग्लोबल ब्रेकिंग सेरेमनी योजना से बड़े और मध्यम व्यापारियों को फायदा मिलेगा। प्रशासन को चाहिए कि बैंकिंग सेक्टर से आसानी से सपोर्ट मुहैया कराए, इससे योजनाओं को जल्द धरातल पर उतारा जा सकेगा।

लोस चुनाव से पहले बड़ी संख्या में नेताओं ने थामा भाजपा का दामन

संवाददाता–महराजगंज। लोकसभा चुनाव से पहले प्रदेश भाजपा ने सदस्यता अभियान शुरू किया है। कांग्रेस, सपा और बसपा से चुनाव लड़ चुके नेताओं समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने अभियान के तहत भाजपा की सदस्यता ली। पनियरा, सिसवा, सदर व नौतनवा विधानसभाओं में चले अभियान में भाजपाई ढाई हजार से अधिक लोगों के पार्टी में शामिल होने का दावा कर रहे हैं।

नौतनवा विधानसभा में जिला पंचायत डाक बंगला, सिसवा विधान सभा के जहदा इंटरमीडिएट कॉलेज और पनियरा विधानसभा क्षेत्र में स्थित ब्रह्मलीन महंत श्री अवैद्यनाथ मिनी स्टेडियम में आयोजित विधानसभा मिलन समारोह में विभिन्न दलों को छोड़कर भाजपा में शामिल नेताओं का केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, पनियरा विधायक ज्ञानेंद्र सिंह और नौतनवा विधायक ऋषि त्रिपाठी ने भाजपा का पट्टा पहनाकर स्वागत किया। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि सबका साथ सबका विकास और सबका प्रयास के मूल मंत्र के साथ आप सभी क्षेत्र के विकास एवं राष्ट्र के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे। अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष संजय पाण्डेय ने की। कार्यक्रम में अन्य दलों से जुड़े जिला पंचायत के निर्वाचित सदस्य, सभासद, नगरसेवक,क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान, कोटेदार,मुस्लिम समाज के लोग और क्षेत्रीय नेता आदि शामिल किए गए। इस दौरान शर्मिला देवी, अर्चना सिंह, अनिल राजभर, राजू पाल, राजेश गुप्ता,जलालुद्दीन, रमजान, संजय निषाद, अख्तर अंसारी ,नूर आलम ,अजय कुमार सिंह, रामनिवास सिंह ,रामाश्रय चौधरी, सुग्रीव चौधरी ,अरुण कुमार सिंह, जवाहरलाल जायसवाल, बंटी पटेल, तबारक अली, दिनेश जायसवाल, संजय जयसवाल, जाकिर हुसैन, दीनानाथ प्रसाद, सत्य प्रकाश यादव ,अरविंद प्रसाद, प्रमोद यादव ,श्याम बदन यादव, रामवृक्ष यादव, चंद्रमौली त्रिपाठी, रामराज चौधरी, गुड्डू चौधरी, घुराहू राजभर, संतोष पासवान, गोधान पासवान, शैलेंद्र सिंह, राकेश, दिलीप साहनी, सुशील कन्नौजिया, अजय निषाद, चंद्रकेश ,श्याम सुंदर , शिवम राय, विकास यादव, प्रमोद गौड़ सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भाजपा की सदस्यता ली।

सदर विधानसभा के कई ग्राम प्रधान, विभिन्न दलों से आये लोगों ने सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया, ज्वाइनिंग कमेटी के विधानसभा संयोजक कृष्ण गोपाल जायसवाल, विधानसभा प्रभारी अशोक तिवारी, प्रमुख ओम प्रकाश जायसवाल, प्रमुख प्रतिनिधि इंजी विवेक गुप्ता की उपस्थिति में भाजपा की सदस्यता ली। विधायक ने भाजपा का पट्टा, माला और टोपी पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व जिला उपाध्यक्ष अरुणेश शुक्ला, पूर्व जिला मंत्री प्रदीप उपाध्याय सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में अधेड़ की मौत,दूसरे गांव में मिला शव

संवाददाता–श्रावस्ती। रात में मित्र के घर ठहरे एक अधेड़ व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से मिले शराब पीने के लिए इस्तेमाल लिया गया गिलास व उत्तेजक दवाओं का रैपर जब्त कर जांच के लिए भेजा है।

मल्हीपुर थाना क्षेत्र के मल्हीपुर खुर्द गांव निवासी आदित्य प्रकाश श्रीवास्तव उर्फ उत्तम (50) पुत्र निरंकार प्रसाद गुरुवार की रात गनेशपुर गांव में अपने मित्र छोटू पुत्र बेचेलाल के घर ठहरा हुआ था। रात में खाना खाकर सोए आदित्य प्रसाद की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई और लाश जमीन पर पड़ी पाई गई। बताया जाता है कि मृतक किसी महिला को लेकर रात में अपने मित्र के घर गया था। उसने रात में वहीं रुकने को कहा तो मित्र के पुत्र छोटू ने मना कर दिया। इस पर आदित्य ने मुंबई में रह रहे छोटू के भाई को फोन किया और छोटू से बात कराई। भाई के कहने पर छोटू ने आदित्य को ठहरने के लिए कह दिया।

छोटू के अनुसार उसके घर में केवल वह और उसकी पत्नी थी। खाना खाने के बाद वह पत्नी के साथ कमरे में सोने चला गया जबकि मृतक अपने साथ ले गए महिला के साथ दूसरे कमरे में लेट गया। रात में मृतक के साथ मौजूद महिला जोर जोर से चिल्लाने लगी तो छोटू कमरे में पहुंचा और देखा कि आदित्य जमीन पर मृत अवस्था में पड़ा था। शोर सुनकर पड़ोस के लोग मौके पर पहुंच गए। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है कि मृतक ने रात में अधिक शराब पी थी साथ ही उत्तेजक दवाओं का भी प्रयोग किया था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज पुलिस मामले की बारीकी से जांच कर रही है। जांच करने पहुंची फारेंसिक टीम ने घटनास्थल से मिला शराब का गिलास व उत्तेजक दवाओं के रैपर सील कर जांच के लिए लैब भेजा है।

जयहरि मिश्रा, एसएचओ ने कहा कि प्रथम दृष्टया अधिक एल्कोहल व उत्तेजक दवाओं के इस्तेमाल से हार्ट अटैक होने की संभावना है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सहीं कारण पता चल पाएगा। मामले की बारीकी से जांच की जा रही है।

छह साल बाद किसानों को मिलेगा कृषि यंत्रों पर अनुदान

संवाददाता–बलरामपुर। छह साल की प्रतीक्षा के बाद 14 किसानों को कृषि यंत्रों पर अनुदान मिलेगा। आनलाइन आवेदन के बाद तकनीकी कमियों के कारण किसान लाभ पाने से वंचित रह गए थे। कृषि यंत्रों पर अनुदान न मिलने से किसानों में मायूसी थी। जिसमें कमियों को दूर कराकर किसानों को लाभ देने का निर्णय लिया गया है। चुनावी वर्ष में किसानों को सौगात मिलने की उम्मीद जगी है। इसके लिए कृषि विभाग ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। 85 हजार रुपए के रोटावेटर पर अनुदान का लाभ लेने के लिए वित्तीय वर्ष 2018–19 में किसानों ने कृषि विभाग के पोर्टल पर आवेदन किया था। इसमें से 14 किसानों को पोर्टल पर खराबी आने के कारण अनुदान का लाभ नहीं मिल सका था। प्रमुख सचिव ने कई बार सत्यापन कराया जिसके बाद अनुदान देने का निर्णय लिया गया। इसमें एक एकड़ से कम जोत और अनुसूचित जाति व जनजाति के छोटे किसानों को 50 प्रतिशत एवं एक हेक्टेयर वाले सीमांत किसानों को 40 प्रतिशत का अनुदान मिलना है। हालांकि अब एक रोटावेटर की कीमत एक लाख 20 हजार रुपए है, लेकिन किसानों को उस समय की कीमत पर छूट का लाभ मिलेगा। किसान विजय पाल, राजाराम, उत्तम यादव, जवाहर लाल, लाडिला प्रसाद व मेंहदी हसन ने बताया कि उन्होंने उस समय रोटावेटर खरीद लिया था। लेकिन अनुदान का लाभ न मिलने से वह काफी निराश हुए थे। जिस कंपनी से रोटावेटर खरीदा गया था, उसे कर्ज लेकर भुगतान करना पड़ा था। किसान राजपित, राज किशोर, कैश कुमार, राम किशोर, इंद्रजीत, सादिक अली, शिवनाथ आदि ने बताया कि सरकार के इस निर्णय से उन्हें बहुत खुशी है। उस समय गरीबी में रोटावेटर का कर्ज लेकर भुगतान करने पर काफी परेशानी हुई थी, लेकिन अब दर्द दूर हो गया है।

अब तीन से 11 साल की उम्र के बच्चों की पढ़ाई पर होगा जोर

संवाददाता–महराजगंज। घुघली बीआरसी में शिक्षकों के लिए चल रहे पांच दिवसीय फाउंडेशन लिटरेसी एंड न्यूमरेसी के प्रथम बैच का प्रशिक्षण शुक्रवार को कराया गया। खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. प्रदीप शर्मा ने कहा कि अब पांच नहीं, बल्कि तीन साल से ही बच्चों की पढ़ाई पर फोकस होगा। फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी (एफएलएन) के तहत प्री स्कूलिंग को बेहतर बनाया जाएगा। आंगनबाड़ी में ही बच्चों को अक्षर ज्ञान मिल जाएगा। वहीं तीसरी कक्षा तक बच्चों को उस स्तर तक पहुंचा दिया जाएगा कि वह वाक्य बनाना सीख जाएं और एक हजार तक की गिनती कर लें। इस तरह तीन से नौ साल की उम्र तक के बच्चों की पढ़ाई पर जोर दिया जाएगा। एआरपी पारस नाथ ने बताया कि शासन की मंशा के अनुसार तीसरी कक्षा तक हर बच्चा पढ़ने–लिखने व बुनियादी संख्या ज्ञान के स्तर को प्राप्त कर ले। बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर रहे और वे प्रभावी संवाद में निपुण बने। इसको लेकर बच्चों को जोड़े बनाकर कार्य कराना, प्रोजेक्ट कार्य, प्रश्नोत्तरी, रोल प्ले, खेल, मौखिक–लिखत प्रस्तुतीकरण जैसी गतिविधियों में शामिल किया जाएगा। बच्चों में शारीरिक विकास, अभिव्यक्ति, क्रिएटीविटी, अपनी भावनाओं को समझना, अभिव्यक्त करना और एक–दूसरे के साथ मिलकर काम करने जैसी भावना पैदा की जाएगी।

एआरपी रविशंकर शुक्ल ने बताया कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत एफएलएन कार्यक्रम में बच्चों में प्रवाह और सटीकता के साथ 45 से 60 शब्द प्रति मिनट पढ़ पाने की क्षमता विकसित की जाएगी। प्रशिक्षण में एआरपी परमानंद विश्वकर्मा, पारसनाथ, संतोष कुमार ने एफएलएन की बारीकियों से सबको अवगत कराया। बताया कि विभिन्न विभागों के साथ समन्वय बना कर कार्यक्रम होंगे।

मंदिर निर्माण से सभी सनातन धर्मियों का संकल्प हुआ पूरा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्या के बड़ी छावनी की बगिया में यज्ञिक सम्राट स्वामी कनक बिहारी दास रघुवंशी महाराज के संकल्प को पूरा करने के लिए रघुवंशी समाज 2121 कुंडीय कर रहा है जिसकी पूर्णाहुति 18 फरवरी को होगी 16 फरवरी शुक्रवार को ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय यज्ञ में पहुंचे और कहा की मंदिर निर्माण से सभी का संकल्प पूरा हुआ है और यह मंदिर भारत में नई संस्कृत इतिहास को लिखेगा क्योंकि 500 वर्षों के संघर्ष के बाद यह हम सनातनियों को मिला है। वही अयोध्या जनपद क्षेत्र के रघुवंश के वंशजों ने भगवान रामलला के मंदिर का निर्माण न होने तक अपने सिर पर पगड़ी धारण ना करने की प्रतिज्ञा ली थी। रघुवंश के आराध्य भगवान रामलला के भव्य और दिव्य मंदिर बनने का संकल्प पूरा होने पर राम के इन वंशजों को गुरुवार को कथा मंच पर रघुवंशी समाज के 2121 कुंडीय श्री राम महायज्ञ में यज्ञ समिति की ओर सूर्यवंशी रघुवंशी समाज के अध्यक्ष गुरुप्रसाद सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली रोहित सिंह सहित 100 से अधिक सूर्यवंशी समाज के बंधुओं को पगड़ी धारण कराई गई।

मालूम हो कि अयोध्या की बड़ी छावनी में यज्ञ सम्राट कनक बिहारी दास महाराज द्वारा संकल्पित 2121 कुंडीय विराट श्री राम महायज्ञ का आयोजन रघुवंशी समाज द्वारा किया जा रहा है। यज्ञ समिति के मीडिया प्रभारी देवेंद्र रघुवंशी ने बताया कि इस महायज्ञ में मध्य प्रदेश सहित अन्य प्रतों के भी सामाजिक बंधु शामिल हैं। मंच पर ही गंजबासौदा से बड़ी छावनी अयोध्या तक पैदल चलकर आए यज्ञ के यजमान रामकृष्ण रघुवंशी बरखेड़ा एवं यजमान राकेश रघुवंशी रतनखेड़ी सहित अन्य 15 साथियों का भी समिति की ओर से सम्मान किया गया। 17 साल से राम नाम बैंक का निशुल्क संचालन कर रहे गंजबासौदा निवासी रघुनाथ सिंह रघुवंशी को भी मंच से सम्मानित किया गया जिन्होंने दो अरब राम नाम अयोध्या में जमा करने का संकल्प लिया है जिसमें से वह अभी तक एक अरब 25 लाख राम नाम जमा कर चुके हैं। वही यज्ञ सम्राट कनकबिहारी महाराज की स्मृति में 11 करोड़ राम नाम यज्ञ के दौरान अयोध्या राम नाम बैंक में जमा कराएं।

कार्यशाला में बताया गया नवाचार आधारित शिक्षा का तरीका

संवाददाता–श्रावस्ती। विद्यालय में एक दिवसीय शिक्षक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षकों को जनजातीय बच्चों को नवाचार आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित किया गया। साथ ही घर में उपलब्ध सामग्रियों का वैज्ञानिक उपयोग के बारे में जानकारी दी गई।

सिरसिया विकास क्षेत्र के गब्बापुर स्थित राजकीय इण्टर कालेज में शुक्रवार को राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद व इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट एंड एडवांस्ड स्टडीज की ओर से एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण के कार्यशाला का आयोजन हुआ। जिसमें कक्षा आठ से 12 तक के 10 जनजाति अंचलों के विद्यालयों से 45 शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। शिक्षकों को बच्चों को नवाचार के लिए प्रेरित करने व कैसे सक्षम बनाएं के बारे में जानकारी दी गई। जिला विद्यालय निरीक्षक मिथिलेश कुमार ने कहा कि शिक्षक प्रशिक्षण का उद्देश्य जनजाति बच्चों में नवाचार के माध्यम से रुचि का विकास करना है। उन्होंने कहा कि शिक्षक जो भी यहां से सीख कर जा रहे हैं उसका उपयोग बच्चों को भी सिखाने में करें। लखनऊ से आए वरिष्ठ शिक्षा अधिकारी राम कुमार ने कहा कि इनोवेशन के लिए तकनीकि सोच जरूरी है।

उन्होंने कहा की इनोवेशन का एक सिस्टम तैयार हो जो उद्यमिता तक जाए। आचार्य विशेषज्ञ पंकज कुमार पांडेय ने मवेशियों की सहायता से विद्युत उत्पादन पर अपने नवाचार को लेकर प्रस्तुतिकरण दिया। गौतम बुद्ध राजकीय पॉलिटेक्निक गब्बापुर के इलेक्ट्रॉनिक विभाग अध्यक्ष रवि राठौर ने वैज्ञानिक सिद्धांतों के आधार पर नवाचार के प्रयोग की जानकारी दी। प्रधानाचार्य डा हरी प्रताप त्रिपाठी ने भी नवाचार विषय पर अपने विचार रखे। इस मौके पर अभय कृष्ण, विभा सिंह, संतोष त्रिपाठी, विशाल सिंह ने विज्ञान आओ करके सीखें तथा नवाचार के विभिन्न प्रयोगों का प्रदर्शन किया।

एक ही मामले में 41 लोगों को जेल

संवाददाता–देवरिया। सेशन अदालत ने शुक्रवार को हत्या और लूटपाट के मामले में दोनों तरफ से क्रास केस के मामले में 41 आरोपियों को दोषी पाये जाने पर सजा सुनाकर जेल भेज दिया। इस मामले से जुड़े मामले में सहायक शासकीय अधिवक्ता नितेश पाण्डेय ने बताया कि आज करीब उन्नतीस वर्ष पूर्व खानपान थाना क्षेत्र के बलुअन खास गांव में सायकिल से टक्कर के मामले में दो पक्षों में विवाद हो गया था, जिसमें एक पक्ष के तरफ से काम पार थाने में धारा 395,397 आईपीसी में कुल 59 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। पाण्डेय ने बताया कि मुकदमा वादी अजय कुमार श्रीवास्तव ने दिये गये तहरीर में कहा था कि वह 17 जनवरी 1995 को अपने मोटरसायकिल से बाजार जा रहे थे कि रास्ते मे छोटेलाल के साइकिल से टक्कर हो गई। छोटेलाल आईपीएफ के सदस्य थे, दोनों लोगों के बीच कहा सुनी हुई तथा उस समय लोगों ने बीच बचाव कर मामले को शांत करा दिया था।

उन्होंने बताया कि उसी रात आईपीएफ की एक मीटिंग के बाद 18 जनवरी 1995 को सुबह करीब 7.20 बजे करीब सौ डेढ़ सौ की संख्या में लोगों ने नारा लगाते हुए अजय लाल के घर हमला कर दिए, उनके हाथ भाला, लाठी, डण्डा ,इट पत्थर, बम थे। उनके घर के लोग डर कर घर में व छत के ऊपर भागे। इस हमले से गांव के अन्य लोग अपने घर मे भागे। उन्होंने बताया कि पूरा गांव भय, आतंक से कांप गया। इन लोगों ने अजय लाल के घर के अलावा बगल के हरदेव भगत व रामनाथ के घर भी लूट पाट व मारपीट की। सहायक शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि इनके हमले से दर्जनों लोग घायल हो गये ,जिनमे कुछ एक लोगों को फ्रेक्चर भी हुआ। अपने बचाव में अजय लाल ने अपने बाबा के नाम से लाइसेंसी दोनाली बन्दूक से फायर किया जिससे कुछ लोगों को चोटे आई थी। इस फायरिंग में हमलावर के तरफ से दो लोगो की मृत्यु हो गई थी। इस घटना में दोनों तरफ से मुकदमा दर्ज हुआ था। हत्या के मामले में 6 आरोपी बने थे। जिसमें एक बाल अपचारी था तथा एक आरोपी की विचारण के दौरान मौत हो गई थी।

तीन आरोपी साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिये गये। पाण्डेय ने बताया कि आज एडीजे प्रथम श्रीमती इंदिरा सिंह की अदालत ने आज उभय पक्षों के तर्कों और दलीलों को सुनने के लूट और डकैती के आरोप में एक पक्ष से 40 लोगों को 10 वर्ष की सजा तथा एक हजार का जुर्माना तथा दूसरे पक्ष से हत्या के आरोप में अजय श्रीवास्तव को आजीवन कारावास तथा 10 हजार रूपये जुर्माना की सजा सुनाकर जेल भेज दिया।

त्यागी संत दिन में पंचाग्नि में बैठकर करते हैं तपस्या

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्या तपस्या की भूमि है, यहां पर अनंतो संत हुए है। जिन्होंने अपने जप तप के बल पर पूरी दुनिया में अपने प्रभुत्व को स्थापित किया है। वैष्णो त्यागी संतो महात्माओं में पंचाग्नि में बैठकर साधना करने का बहुत महत्व है। यह साधना बसंत पंचमी से प्रारंभ होकर गंगा दशहरा तक चलती है।जो महात्मा पंचाग्नि तपस्या का संकल्प लेता है, उसे यह तपस्या 18 वर्षों तक लगातार करनी होती है। किसी कारण बस एक भी दिन खंडित होने पर पुनः यह प्रक्रिया एक से प्रारंभ होकर 18 वर्षों तक चलेगी। यह साधना खुले आसमान में होती है इसमें अपने चारों तरफ आग का गोला बनाकर सर पर अग्नि रखकर जपतप अनुष्ठान करना होता है। अयोध्या में त्यागी संतो के आश्रमों में बसंत पंचमी के पावन तिथि से अनुष्ठान प्रारंभ हो गया है और इसी क्रम में धर्मपथ पर स्थित श्री संकट मोचन हनुमान किला में संतों ने पंचाग्नि तपस्या अनुष्ठान को प्रारंभ कर दिया है जो प्रतिदिन सुबह लगभग 10 बजे इस तपस्या में बैठते हैं और जब सूर्य भगवान अपनी पूर्ण ऊष्मा प्रदान करते हैं तब तक यह तपस्या करते हैं माघ मास से प्रारंभ होकर यह तपस्या फागुन चौत्र वैशाख ज्येष्ठ मास में जब सूर्य भगवान पृथ्वी पर सबसे अधिक उसका प्रदान करते हैं उसे समय भी यह तपस्या होती है और इसका विश्राम बरसात प्रारंभ होने के पहले गंगा दशहरा के अवसर पर समापन किया जाता है पुनः अगले वर्ष बसंत पंचमी से यह तपस्या प्रारंभ होती है।

अवध उत्थान समिति के अध्यक्ष पंचाग्नि साधक संकट मोचन हनुमान किला के पीठाधीश्वर महंत परशुराम दास ने बताया कि श्रीसंकट मोचन हनुमान किला मंदिर में बसंत पंचमी को लगभग आधा दर्जन संतों ने संकल्प के साथ पंचाग्नि तपस्या का शुभारंभ किया उन्होंने बताया कि इसको संतों की भाषा में धूनी तपस्या भी कहा जाता है और जब ठंड का मौसम समाप्त होता है और बसंत ऋतु प्रारंभ होती है और वर्षा ऋतु तक यह तपस्या की जाती है उन्होंने बताया कि अयोध्या में दर्जनों संत इस तपस्या को करते हैं और कई संत तो ऐसे हैं जो एक बार 18 वर्ष का संकल्प पूरा करके दूसरी बार कर रहे हैं उन्होंने बताया कि गुरुदेव भगवान और प्रभु श्री राम के आशीर्वाद से मैं भी यह साधना कर रहा हूं और इसका विश्राम गंगा दशहरे के दिन सभी संत मां सरयू के पूजन हवन यज्ञ तर्पण के साथ करते हैं।

राज्य कुष्ठ अधिकारी ने की अधिकारियों के साथ समीक्षा

संवाददाता–श्रावस्ती। राज्य कुष्ठ अधिकारी डॉ जया देहलवी ने श्रावस्ती जिले का दौरा कर राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा की। सिरसिया ब्लॉक के गुलरा अतिथि गृह में उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से अभियान के बारे में जानकारी प्राप्त की साथ ही कुष्ठ रोगियों से मुलाकात कर उनका हाल चाल भी लिया।

डॉ जया देहलवी ने स्वास्थ्य अधिकारियों से कहा कि कुष्ठ रोग छुआछूत की बीमारी नहीं है। समय से जांच और उपचार कराने से कुष्ठ रोग से बचा जा सकता है। यदि कोई नया कुष्ठ रोगी चिन्हित होता है तो उसके आसपास के क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बचाव की दवा खिलाई जाए। इसके अलावा यदि कहीं से बाल कुष्ठ रोगी और ग्रेड टू के रोगी मिल रहे हैं तो वहां सघन अभियान चला कर बचाव के इंतजाम किये जाएं।

इस मौके पर सीएमओ डॉ अजय प्रताप सिंह ने उन्हें राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम और स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि मौजूदा समय में जिले में कुल 128 कुष्ठ रोगी हैं और इन सभी का उपचार भी किया जा रहा है। इन्हें समय पर दवाएं तो उपलब्ध कराई ही जा रहीं हैं। साथ ही समय–समय पर इन मरीजों से मुलाकात कर उन्हें स्वास्थ्य की भी जानकारी ली जा रही है।

जिला कुष्ठ रोग अधिकारी डॉ संत कुमार ने बताया कि स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान के दौरान गांव–गांव में, स्कूल और कॉलेजों में जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान कुष्ठ रोग के लक्षणों, इलाज और बचाव के बारे में व्यापक प्रचार प्रसार पर जोर दिया गया। जिलाधिकारी, सीएमओ कार्यालय सहित सभी सीएचसी, पीएचसी व ग्राम पंचायतों में जिलाधिकारी का संदेश पढ़कर सुनाया गया और कुष्ठ उन्मूलन की शपथ दोहराते हुए जन जागरूकता की अपील की गई।

अयोध्या के इतिहास में पहली बार हो रहा है इतना बड़ा यज्ञ

जी
(उत्त
593337

अयोध्या। तपस्वी छावनी के जगतगुरु परमहंस आचार्य ने धर्म सभा को अपनी ओजस्वी वाणी में संबोधित करते हुए कहा कि हम संविधान के अनुसार चलते हैं इसलिए वह भी संविधान के अनुसार चलने की आदत डाल लें नहीं तो जिन्होंने 40 लाख मंदिरों को तोड़कर मजारों का निर्माण किया है अब वह दिन दूर नहीं जब इनको तोड़कर उन पर धर्म की ध्वजा पताका फेरा देंगे। मथुरा काशी के संवैधानिक निर्णय पर जो कोर्ट फैसला देगा उसे तुम भी मान लेना और हम भी मान लेंगे। परमहंस जी ने कहा कि अयोध्या के इतिहास में सतयुग के बाद पहली बार इतने बड़ा महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है जो की अद्भुत, अकल्पनीय है और अविस्मरणीय है। साकेत वासी यज्ञ सम्राट कनकबिहारी दास महाराज के संकल्प को पूरा करने के लिए रघुवंशी समाज ने जो श्रद्धा, आस्था और अद्भुत साहस दिखाया है वह इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया है। साकेतवासी महाराज श्री के उत्तराधिकारी श्याम दास महाराज,अधिकारी लखन बाबा पटेल बाबा सहित अन्य संतों ने मंचासीन संतों का सम्मान किया।

मध्यप्रदेश के सीएम पर टिप्पणी के विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव का पुतला फूंका

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मेंहदावल बाईपास चौराहे पर शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का पुतला फूंका। कार्यकर्ता मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव पर अभद्र टिप्पणी करने से आक्रोशित थे। प्रदेश में लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत मोहन यादव क्लस्टर प्रभारी के रूप में आजमगढ़ प्रवास पर थे। इस दौरान पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने अपने एक्स पेज पर मोहन यादव का एक वीडियो पोस्ट करते हुए उन पर अभद्र टिप्पणी की। नाराज भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री का पुतला फूंका और अखिलेश यादव मुर्दाबाद नारे लगाते हुए उनसे मोहन यादव से माफी मांगने की मांग की।

इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता अश्वनी चौरसिया ने कहा कि अखिलेश यादव को पिछड़ा वर्ग से आने वाले मोहन यादव को आगे बढ़ते देख जलन हो रही है कि कैसे यादव समाज का एक व्यक्ति अपनी मेनहत और परिश्रम के बल पर भाजपा में आज शीर्ष पर पहुंचकर एक प्रदेश का मुखिया बन गया। अखिलेश यादव को राजनीति विरासत में मिली है, वह क्या जाने संघर्ष क्या होता है। इस दौरान युवा नेता आदित्य यदुवंश, राघवेंद्र तिवारी, शैलेंद्र यादव, अत्रेश श्रीवास्तव, गौरव अग्रहरि, रमाशंकर, शिवा समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

जेल रेडियो का जिला जज ने किया उद्घाटन

संवाददाता–गोरखपुर। जिला कारागार में शुक्रवार को जेल रेडियो गोरखपुर लाइव का उध्दघाटन जिला जज तेज प्रताप तिवारी ने किया। इस अवसर पर अन्य न्यायिक अधिकारी सचिव विधिक सेवा प्राधिकरण रामकृपाल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आदर्श श्रीवास्तव उपस्थित रहे। जनपद न्यायाधीश की ओर से यह आश्वासन दिया गया कि प्रत्येक क्षेत्र के विशेषज्ञ प्रतिदिन कारागार पर आकर बन्दियों की समस्याओं का समाधान करेंगे। विधि, न्यायिक, योग, पुनर्वास, मनोरंजन आदि के विशेषज्ञों का बन्दियों से प्रतिदिन सीधा संवाद होगा और बदिंयो की समस्याओं का त्वरित निस्तारण होगा। इस कार्यक्रम में जेल रेडियों के शुभारम्भ में आकाशवाणी गोरखपुर के कार्मिकों एंकर अमृता धीर मल्होत्रा का संचालन एवं प्रस्तुति में सराहनीय योगदान रहा। तकनीकी सहयोग में इंजीनियर रवि मौर्या, कन्हैयालाल, राजीव शर्मा का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर जेल अधीक्षक दिलीप कुमार पाण्डेय ने विभिन्न तकनीकी विशेषज्ञों के सहयोग से जेल रेडियों के अपग्रेडेशन तथा उपयोगी कार्यक्रमों इस अवसर पर जेलर अरुण कुमार कुशवाहा, जेलर नरेश कुमार, उप जेलर विजय राय, विश्वनाथ पाण्डेय, अश्वनी कुमार उपाध्याय, अमिता श्रीवास्तव, कृष्णा कुमारी एवं जेल चिकित्साधिकारी विनय राय उपस्थित रहे।

15–15 रोस्टर के अनुसार पुजारियों की ड्यूटी तय

संवाददाता–अयोध्या। श्रीरामजन्म भूमि में रामलला की पूजा–अर्चना के लिए तीर्थ क्षेत्र की ओर से 15–15 दिन का रोस्टर बीते एक फरवरी से तय किया गया था। इस रोस्टर के मुताबिक पहली बार पुजारियों की ड्यूटियां बदल गयी है। रामलला की पूजा–अर्चना के लिए छह दिसंबर 92 से ही एक मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास शास्त्री के अलावा चार सहायक पुजारियों की तैनाती की गयी थी। यह व्यवस्था राम मंदिर में भी लागू हैं। इस व्यवस्था में चार सहायकों में दो–दो पुजारी एक साथ शामिल होते हैं। एक फरवरी के रोस्टर में सुबह से लेकर मध्याह्न तक पुजारी अशोक कुमार उपाध्याय व प्रदीप दास शामिल थे जबकि सायं पाली में संतोष कुमार तिवारी व प्रेमकुमार तिवारी थे। रोस्टर के अनुसार सुबह की पाली में अब संतोष कुमार तिवारी व प्रेमकुमार तिवारी और सायं पाली में अशोक कुमार उपाध्याय व प्रदीप दास की ड्यूटी बदल गयी है

क्रीड़ा भारती ने छात्रों को कराया सूर्य नमस्कार योग

संवाददाता–संतकबीरनगर। खलीलाबाद के औद्योगिक क्षेत्र में स्थित संत कबीर पब्लिक स्कूल के छात्रों को क्रीड़ा भारती के तत्वाधान में सूर्य नमस्कार योग का अभ्यास कराया गया। छात्रों को सूर्य नमस्कार का योग कराकर उन्हें प्रतिदिन योगा करने के लिए प्रेरित किया। डॉ.मंजीत सिंह, डॉ.ऋषि देव, संजीव श्रीवास्तव व योग प्रशिक्षक विवेक द्वारा बच्चों को योग के बारे में प्रशिक्षण के साथ ही उन्हें जानकारी दी गई। डॉ.आलोक सिन्हा ने बताया कि सूर्य नमस्कार को करने से पहले शरीर को अच्छे से वार्म अप कर लेना चाहिए। सूर्य नमस्कार करने में शरीर के 10 अंग एक के बाद एक काम में आते हैं। वहीं कुल 12 चरणों में आठ तरह के आसन मिलकर एक सूर्य नमस्कार को पूरा करते है। श्री सिन्हा ने बताया कि सूर्य नमस्कार करने के लिए दोनों हाथों को जोड़कर सीधा खड़े हो जाए। अब आंखें बंद कर लें। श्वास भरते हुए दोनों हाथों को कानों से सटाते हुए ऊपर की ओर सीधा करें। भुजाओं और गर्दन को पीछे की ओर झुका लें। इसके बाद श्वास को धीरे–धीरे बाहर की ओर छोड़ते हुए आगे की ओर झुकें। इस दौरान हाथों को गर्दन और कानों से सटाकर रखते हुए नीचे पैरों के दाएं–बाएं पृथ्वी को छुएं। इस दौरान गर्दन सीधी रखें।

क्वीज कंटेस्ट प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत

NEW IQRA PUBLIC SCHOOL
Rahmat Ganj, Gandhi Nagar-Basti
Nursery to Class VIII

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को न्यू इकरा पब्लिक स्कूल रहमतगंज में आयोजित जनरल क्वीज कंटेस्ट प्रतियोगिता के सफल अभ्यर्थियों को मेडल और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया ।

मुख्य अतिथि सैयद मोहम्मद हारिस, रफी अहमद ने छात्रों को मेडल देकर सम्मानित किया करते हुये उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर संस्था के प्रबंधक डॉक्टर अजीज आलम औरं डायरेक्टर अयाज अहमद ने कहा कि ऐसे प्रतियोगिताओं से छात्रों में सामान्य ज्ञान बढ़ता है और पढ़ाई में रुचि और बढ़ती है । इससे छात्र–छात्राओं की प्रतिभा का समग्र विकास होता है ।

विशिष्ट अतिथि शाइन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस के प्रिंसिपल मोहम्मद आसिफ, डायरेक्टर अली अरशद मौजूद रहे। कक्षा 5 के सायम अब्बास बॉयज में और 7 की उम्मे कुलसुम गर्ल्स में 95ः पाकर कर स्कूल टॉपर रहे। क्लास 1 से फहद खान,अलिजा फातिमा, राशिद शम्स,क्लास 2 से मोहम्मद अफजल, मोहम्मद अकदस, फरिहा खान, क्लास 3 से सिदरा परवेज, उमैमा आजम, रिदा शकील,क्लास 4 से नमरा शोएब, सारा खान,सादिया खान, कक्षा 5 से मोहम्मद साएम अब्बास, मनहा अदीब, सबा खातून, कक्षा 6 से रुहमा खान, अलीना सिद्दीकी,आयशा बानो,क्लास 7 से उम्मे कुलसुम,जिया महनाज,मानसी पाण्डेय, कक्षा 8 से परी श्रीवास्तव, सुमैइया रहमान , मोहम्मद सोबान को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर न्यू इकरा पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या जेबा शाहीन, तस्लीम मैंम,राजिया मैम अरीबा मैम, अंजू मैम, ऐमन सर, कुतुबुद्दीन सित,हाफिज शहादत,फरहत आदि उपस्थित रहे।

राम लला के थीम पर रंगीन सिक्का जारी

संवाददाता–अयोध्या। राम लला और राम जन्मभूमि मंदिर, अयोध्या की थीम पर आधारित रंगीन सिक्का (त्उ स्ंसस बवपद) भी शामिल है जिसमें एक तरफ राम लला की प्रतिमा तो दूसरी ओर राम मंदिर की आकृति है। यह सिक्का एसपीएमसीआईएलआई की वेबसाइट से खरीदा जा सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के 19वें स्थापना दिवस के अवसर पर राम लला और राम जन्मभूमि मंदिर अयोध्या की थीम पर आधारित रंगीन सिक्का सहित तीन स्मारिका सिक्का को जारी किया।

वर्चुअली आयोजित इस समारोह की अध्यक्षता सीतारमण ने की। स्थापना दिवस समारोह में आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव और एसपीएमसीआईएलआई इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की भी मौजूद थे। इसमें एसपीएमसीआईएल के नौ क्षेत्रीय केंद्र वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वर्चुअल मोड से जुड़े और इस अवसर पर सीतारमण ने तीन स्मारिका सिक्के भी जारी किए। इसमें राम लला और राम जन्मभूमि मंदिर, अयोध्या की थीम पर आधारित रंगीन सिक्का भी शामिल है जिसमें एक तरफ राम लला की प्रतिमा तो दूसरी ओर राम मंदिर की आकृति है। यह सिक्का एसपीएमसीआईएलआई की वेबसाइट से खरीदा जा सकता है। इसी तरह से दूसरा सिक्का भगवान बुद्ध के ज्ञानोदय पर आधारित द्वि–धात्विक सिक्का (सीमित संस्करण – बुद्ध और स्तूप की छवियां मैट फिनिश के साथ ऑक्सीकृत हैं) जबकि तीसरा सिक्का एक सींग वाले गैंडे पर रंगीन सिक्का (भारत के लुप्तप्राय जानवरों की श्रृंखला का हिस्सा) है। इन सिक्को की खरीद भी कंपनी की वेबसाइट से की जा सकती है।

पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के धनघटा थाना क्षेत्र के नेतवापुर पेट्रोल पंप के पास शुक्रवार को बगीचे में एक पेड़ की डाल से लटकता शव मिला। शव देख लोगों ने शोर मचाया। मौके पर जुटे लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को डाल से नीचे उतरवाकर उसकी पहचान की। वह धनघटा थाना क्षेत्र के चपरा पूर्वी टोला के खालेपुरवा का निवासी था। तीन–चार साल से उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी।

पुलिस को शुक्रवार को लगभग 10 बजे सूचना मिली कि नेतावापुर पेट्रोल पंप के पास बगीचे में शीशम के पेड़ में बंधी रस्सी से एक युवक का शव फांसी के फंदे से लटक रहा है। सूचना पाते ही पुलिस कर्मी मौके पर पहुंच गए। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने जांच पड़ताल की। पेड़ से लगभग 22 वर्ष के एक युवक का फांसी लगा शव लटक रहा था। पुलिस की पूछताछ में ग्रामीणों ने बताया कि उसका नाम सूरज चौहान पुत्र दयाराम चौहान है। ग्राम चपरा पूर्वी के टोला खालेपुरवा का निवासी है। उम्र लगभग 22 वर्ष है। घर और गांव वालों का कहना है कि सुबह घर पर था। इसके बाद घूमने निकल गया।

तीन –चार साल से उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। अकेले इधर–उधर घूमता रहता था। थाना अध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। घटना के संबंध में कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट प्रतियोगिता 2024 का समापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शहर के एपीएन पीजी कॉलेज के ग्राउंड में चल रहे बस्ती प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट प्रतियोगिता 2024 का समापन हुआ। फाइनल मुकाबले में गंगापुर की टीम में कृष्ण 11 की टीम को 9 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। खेल आयोजन समिति द्वारा विजेता टीम को 51000 उपविजेता को द्25000 तथा मैन ऑफ द सीरीज के रूप में द्5100 का नगद पुरस्कार दिया गया। पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह के दौरान मुख्य अतिथि विधायक अजय सिंह ने विजेता, उपविजेता टीम और खिलाड़ियों को ट्रॉफी और चेक देकर उनका हौसला बढ़ाया। फाइनल मुकाबले में गंगापुर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। कृष्ण 11 की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 113 रन बनाया। 113 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गंगापुर की टीम ने एक विकेट खोकर मात्र 7 ओवरों में ही लक्ष्य को हासिल कर लिया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर संबोधित करते हुए हरैया विधायक अजय सिंह ने कहा कि खेल हमें एकता व अनुशासन का पाठ पढ़ाता है। टीम भावना का विकास खेल से ही संभव है इसलिए हमें अपने जीवन में खेल को जरूर अपनाना चाहिए।

इस अवसर पर एपीएन पीजी कॉलेज छात्र संघ के अध्यक्ष आदित्य विक्रम सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, पंकज चौधरी, राहुल पाल सहित सैकड़ो की संख्या में दर्शक और खिलाड़ी मौजूद रहे।

जन समर्थन जुटाने के लिए भाजपा चलाएगी लाभार्थी संपर्क अभियान

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में लोकसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी जन–जन का समर्थन जुटाने के लिए पूरे प्रदेश में लाभार्थी सम्पर्क अभियान चलाएगी। इसके लिए पार्टी कार्यालय पर एक कार्यशाला का अयोजन किया गया। कार्यशाला में क्लस्टर प्रभारी सिद्धार्थनाथ सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल रहे। जिला अध्यक्ष जगदंबा प्रसाद श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में जिला प्रभारी अजय सिंह गौतम भी मौजूद रहे। मुख्य अतिथि ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में सभी सीटों पर कमल खिलाना है। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद मोदी सरकार ने जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू किया। उज्जवला, जन–धन, आवास, शौचालय, हर घर नल, हर घर जल, बिजली, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, किसान सम्मान निधि ने लोगों के आर्थिक स्तर को संभालने में मदद की।

सिंह ने कहा कि केन्द्र और राज्य में भाजपा सरकार की योजनाओं से लाभान्वित हुए लोगों में लाभार्थी सम्पर्क अभियान के अन्तर्गत सम्पर्क और संवाद स्थापित करना है। मोदी सरकार ने जो भी योजनाएं चलाई हैं वे सीधे तौर पर जरूरतमंद लोगों तक पहुंची हैं। केन्द्र सरकार ने जनहित की योजनाओं को धरातल पर उतारकर जनता से किए गए एक एक वायदे को पूरा किया है। वहीं पूर्व विधायक रजनीकांत मणि ने कार्यशाला में मौजूद प्रतिनिधियों से लाभार्थी सम्पर्क अभियान को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि लाभार्थी सम्पर्क के दौरान लाभार्थी द्वारा मोबाइल नम्बर 9638002024 पर मिस्डकॉल करवाना है और मोदी जी का पत्र सौंपकर लाभार्थी के घर पर स्टीकर लगाने का कार्य पार्टी कार्यकर्ताओं को करना है। उन्होंने अभियान को लेकर पार्टी संगठन योजना रचना पर चर्चा की।

25 फरवरी से 05 मार्च के मध्य लाभार्थी सम्पर्क अभियान चलाया जाएगा व 01 मार्च से 03 मार्च के मध्य विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान में प्रदेश भर में लाभार्थी परिवारजनों से व्यापक स्तर पर सम्पर्क व संवाद स्थापित करना है। कार्यक्रम संचालन भाजपा जिला महामन्त्री कौशलेंद्र सिंह व अभियान संयोजक अमर राय ने किया।

श्रीराम के आदर्श को जन–जन तक पहुंचाना सभी का धर्म

संवाददाता–संतकबीरनगर। विकास खण्ड सेमरियावां के ग्राम सभा लहुरादेवा में चल रही राम कथा में आचार्य धनन्जय महाराज ने कहा कि अखंड भारतवर्ष में सत्य, अहिंसा, प्रेम, एकता, सद्भावना, संस्कृति, संस्कार की गंगा प्रवाहित करना हर मानव का धर्म है। माया, मोह, अहंकार, क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष से दूर रहकर जीवन को सुखमय बनाया जा सकता है। भगवान श्रीराम के आदर्श को जन–जन तक पहुंचाना सभी का धर्म है। भगवान श्रीहरि नारायण चाहते, तो बिना अवतार लिए ही रावण को मार सकते थे। भगवान ऐसा न करके ब्रह्मा जी और नारद जी के वचनों की रक्षा की। नारायण समय–समय पर नर के रूप में अवतार लेकर धरती से अधर्म का नाश करते हैं। श्रीराम कथा हर व्यक्ति, समाज व जगत के कल्याण की कथा है। हर घर में श्रीराम कथा हो, यह मेरा परम लक्ष्य है। राम कथा हर व्यथा की दवा है। श्रीराम कथा श्रवण करने से सब अलाय–बलाय दूर हो जाते हैं। श्रीराम कथा के आयोजक घोड़सारे मंदिर के महंत बिपिन चतुर्वेदी ने कहा कि जहां संस्कार है, वहां संस्कृति है। जहां संस्कृति है, वहां धर्म है। जहां धर्म है, वहां एकता और सद्भावना है। जहां सद्भावना है, वही राष्ट्र और समाज सुखी है। इस अवसर तमाम लोग मौजूद थे।

यूनियन बैंक ने तीर्थ क्षेत्र को सौंपा पांच बैटरी चालित गोल्फ काट

संवाददाता–अयोध्या। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र को दिव्यांगो व वृद्धों के सहायतार्थ पांच बैटरी चालित गोल्फ कार्ट सौंपा है। कारसेवकपुरम में बैंक के अंचल प्रमुख सुमित श्रीवास्तव ने तीर्थ क्षेत्र महासचिव चंपतराय को पांचों कार्ट की चाभियां सुपुर्द की।

इस अवसर पर यूनियन बैंक के क्षेत्र प्रमुख हिमांशु मिश्रा ,विहिप केन्द्रीय मंत्री गोपाल राव, उप क्षेत्र प्रमुख रत्नेश सिंह, अमित कुमार, संतोष बली पांडेय व जटाशंकर एवं विहिप के मीडिया प्रभारी शरद शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

संत मोरारी बापू के श्रीमुख से आस्था का शिखर स्पर्श करेगा प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

संवाददाता–अयोध्या। रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा को लेकर 22 जनवरी से शुरू हुए महोत्सव को शिखर का स्पर्श देने के लिए श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र की ओर से अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति लब्ध संत मोरारी बापू को आमंत्रित किया गया है। संत मोरारी बापू रामलला को रामकथा की स्नेहिल वर्षा से अभिसिंचित करेंगे । उनकी ओर से रामकथा का आयोजन पहले श्रीरामजन्म भूमि परिसर में ही कराने की योजना थी। फिलहाल अब यह कथा तीर्थ क्षेत्र पुरम में कराने का निर्णय लिया गया है। तीर्थ क्षेत्र पुरम मणि पर्वत के निकट बाग बिजैसी में स्थित 25 एकड़ से अधिक विस्तृत क्षेत्र में फैला है। यहीं टेंट सिटी बसाई गयी थी। इस टेंट सिटी में रामलला का दर्शन कराने के लिए विहिप व संघ परिवार की योजना से देश भर से आमन्त्रित संगठन के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के आवास और भोजन की व्यवस्था की गयी है। इस योजना में 21 फरवरी को दक्षिण भारत के तमिलनाडु से चार हजार कार्यकर्ताओं की अंतिम खेप लाई जाएगी । इसके बाद इसी स्थान पर 24 फरवरी से संत मोरारी बापू रामकथा का गान करेंगे। यह रामकथा तीन मार्च तक चलेगी। श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र महासचिव चंपतराय ने बताया कि पहले दिन रामकथा का अनावरण सायंकाल चार बजे होगा। इसके उपरांत 25 फरवरी से प्रतिदिन रामकथा पूर्वाह्न दस बजे से अपराह्न एक बजे तक चलेगी। इस रामकथा के लिए 15 हजार वर्ग फिट में जर्मन हैंगर का पंडाल लगाया जा रहा है।

तदर्थ शिक्षकों ने रामलला को दी अर्जी, मांगी सेवा बहाली

संवाददाता–अयोध्या । नौ नवम्बर 2023 को सेवा से बाहर किए गए अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत रहे करीब डेढ़ हजार तदर्थ शिक्षकों ने शुक्रवार को रामलला का दर्शन किया और प्रभु श्रीराम लला सरकार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन समर्पित किया। तदर्थ शिक्षकों ने भगवान की चरणों में अपनी अर्जी लगाते हुए अपनी सेवा बहाली की मिन्नतें कीं।

रामलला के दरबार में प्रार्थना पत्र देते हुए सेवा से बाहर हुए तदर्थ शिक्षकों ने कहा कि वे अपने जीवनकाल के बहुमूल्य 20 से 25 वर्षों की सेवाएं विषम परिस्थितियों में प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में में दे चुके हैं। वर्तमान में उम्र के आखिरी पड़ाव पर दुर्भाग्यवश नौ नवम्बर 2023 को जारी शासनादेश को वर्ष 1993 से लेकर आज तक राजकोष से वेतन प्राप्त कर रहे तदर्थ शिक्षकों की सेवाएं समाप्त कर दी गईं। सेवा से बाहर किए गए पूर्वांचल के 19 जिलों के तदर्थ शिक्षकों की संख्या लगभग दो हजार है। अब शिक्षक और उनका परिवार भुखमरी की कगार पर पहुंच गया है। इसलिए सरकार छात्र हित, विद्यालय हित और समाज हित को देखते हुए उनकी सेवाएं बहाल कराएं।

इसके पहले सैकड़ों शिक्षक शुक्रवार को साकेत महाविद्यालय परिसर में एकत्र हुए। यहां पहले सभा हुई उसके बाद सभी शिक्षक जुलूस लेकर श्रीराम जन्मभूमि में विराजमान रामलला की चौखट पर पहुंचे। जहां इनकी यह भी मांग थी कि राजकोष से वेतन प्राप्त कर रहे तदर्थ शिक्षकों को माध्यमिक शिक्षा अधिनियम की धारा 33 (छ) की उपधारा 8 का विलोपन करते हुए 33 (ज) जोड़कर अद्यतन कार्यरत तदर्थ शिक्षकों का विनियमितीकरण के लिए अध्यादेश पारित करते हुए इसका समाधान करना औचित्यपूर्ण होगा। तदर्थ शिक्षकों का नेतृत्व अनिल सिंह राना ने किया। इस दौरान करीब 19 जनपदों के तदर्थ शिक्षकों में प्रभात कुमार त्रिपाठी, सुशील कुमार सिंह, बृजेश कुमार द्विवेदी, दीपक मिश्र, रमेश कमार, राज कुमार पाण्डेय, कुलदीप सिंह सहित डेढ़ हजार से अधिक शिक्षक शामिल रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद परिषद उ.प्र. हाई स्कूल वर्ष 2019 अनुक्रमांक 2834455 एवं इण्टर मीडिएट वर्ष 2021 अनुकमांक 21725487 का अंक पत्र, सह अंक पत्र वास्तव में खो गया है।

(शैल कुमारी)
पुत्री श्री राम प्रसाद
मोहल्ला पुराना डाकखाना
पोस्ट– गांधीनगर
जनपद– बस्ती।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद परिषद उ.प्र. हाई स्कूल वर्ष 2023 अनुक्रमांक 1232742710 का अंक पत्र, सह अंक प्रत्र वास्तव में खो गया है।

(सलोनी)
पुत्री श्री राम प्रसाद
मोहल्ला पुराना डाकखाना
पोस्ट– गांधीनगर
जनपद– बस्ती।

नाम संशोधन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी गजेन्द्र प्रसाद गौड़ (GAJENDRA PRASAD GOND) पुत्र स्व. श्री गिरधारी प्रसाद निवासी मोहल्ला महरीखांवा पोस्ट– गांधीनगर जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। प्रार्थी ने रिलायन्स निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड में एक बीमा पालिसी लिया है जिसमें मेरा नाम त्रुटिबश [illegible] (GAJENDER PRSAD GAUD) हो गया है जो गलत है। मेरा सही नाम नाम गजेन्द्र प्रसाद गौड़ (GAJENDRA PRASAD GOND) किया जाय।

अदालती नोटिस

संख्याक 6
मृतक प्रतिवादी के विधिक प्रतिनिधि को समन (आदेश 22 का नियम 4)
वाद सं0 399/88
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बांसी सिद्धार्थनगर
छोटई आदि
बनाम
फूलचन्द्र आदि

1. अरविन्द कुमार पुत्र लखीचन्द 2. अनिल कुमार पुत्र लखीचन्द 3. सुनील कुमार पुत्र लखीचन्द साकिनान मौजा धर्मसिंहवा तप्पा पटना परगना बांसी पूरव तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर 4. मंजू देवी पत्नी अवधेश कुमार साकिन सदर बाजार दोहरीघाट जिला–मऊ 5. संगीता गुप्ता पत्नी संदीप कुमार साकिन उरापार पो0 उस्का बाजार जिला–सिद्धार्थनगर 6. अनुराधा गुप्ता पत्नी अजीत मद्देशिया साकिन बेला सनिचरा छनका सिसवारी महराजगंज

तारीख पेशी 22–02–2024

वादी/वादीगण ने इस न्यायालय में दिनांक को प्रतिवादी के विरूद्ध वाद संस्थित किया था। प्रतिवादी की अब मृत्यु हो चुकी है और उक्त वादी ने यह अभिकथन करते हुये इस न्यायालय में आवेदन किया है कि आप उक्त मृतक के विधिक प्रतिनिधि हैं और यह इच्छा प्रकट की है कि आपको उसके बदले में प्रतिवादी बनाया जाए।

आपको सम्मन किया जाता है कि आप उक्त वाद में प्रतिरक्षा करने के लिये दिनांक **22–02–2024** को 10:00 बजे पूर्वान्ह इस न्यायालय में हाजिर हों और यदि आप ऊपर बतायी गयी तारीख को उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका अवधारण आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 505/2022
रामजीत शर्मा
बनाम
मीना शर्मा आदि

1. मीना शर्मा पत्नी रामजी शर्मा साकिन कैथौरा तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती –प्रतिवादिनी प्रथम वर्ग 2. मथुरा देवी पत्नी रामफूल साकिन डारीडीहा तप्पा उजियार परगना मगहर पश्चिम तहसील खलीलाबाद जिला–संतकबीरनगर 3. किताबा देवी पत्नी रामशंकर ग्राम मुजहना तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 4. कैलाशी देवी पत्नी ओरीलाल साकिन जोगिया जूड़ी कुईया तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 04–03–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 04 माह 03 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 184/2022
करिया
बनाम
झिनकू प्रसाद

1. झिनकू प्रसाद पुत्र बिसई ग्राम घुसनाघोर तप्पा डीही परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 20–02–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 20 माह 02 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com